श्रद्धेया शैल जीजी का सागवाड़ा और शामलाजी का प्रवास 3»

बड़ी लोकप्रिय हो रही है सूक्ष्म यज्ञों की परम्परा 6»

घर-घर पहुँचे प्रज्ञायोग, देश अपना बने निरोग 7»

पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ। - डॉ. प्रणव जी
जीपीवायजी कोलकाता का 600वाँ वृक्षारोपण सप्ताह 8»

समाज निर्माण एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए समर्पित

E-mail: news@awgp.org

पाक्षिक

# प्रज्ञा अभियान

स्वर्ण जयन्ती वर्ष · गायत्री तीर्थ · शान्तिकुञ्ज 1971-2021 हरिद्वार

संस्थापक, संरक्षक : युगऋषि पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा

16 मई 2022

वर्ष : 34, अंक : 22
प्रकाशन स्थल : शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार
प्रकाशन तिथि : 12 मई 2022
वार्षिक चंदा : ₹60/-
वार्षिक चंदा (विदेश) : ₹ 800/-
प्रति अंक : ₹ 3/-

RNI-NO.38653/ 1980 Postel R.No.UA/DO/DDN/ 16 / 2021-23 Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2021-23

# सामाजिक उत्कर्ष का सूक्ष्म विधान है हमारा यज्ञ अभियान

**वाङ्मय खण्ड 28 (यज्ञ : एक समग्र उपचार प्रक्रिया), पृष्ठ 4.41-4.46 से संकलित, सम्पादित**

## यज्ञ : चेतना का दिव्य प्रवाह

भारतीय संस्कृति में यज्ञीय परम्परा के पीछे समग्र वैज्ञानिक आधार है। यज्ञ का ज्ञान पक्ष है कि मनुष्य व्यक्तिगत जीवन में पवित्र और सामाजिक जीवन में उदार बनकर रहे। सामूहिकता, जागरूकता, अनुशासन जैसी सत्प्रवृत्तियों का अभ्यास बढ़ाया और इस तरह का वातावरण बनाया जाय। इनसे व्यक्ति और समाज दोनों की सर्वतोमुखी प्रगति का द्वार खुलता है।

देखने में यज्ञ एक कृत्य मालूम पड़ता है, पर वस्तुतः वह चेतना का एक प्रवाह है। उसे सत्प्रवृत्तियों का समुच्चय भी कह सकते हैं। शास्त्रकार ने सच ही कहा है कि यज्ञ में देवत्व का परिपोषण होता है और उस पुष्टि प्रक्रिया का प्रतिफल सर्वजनीन सम्पन्नता और प्रसन्नता की परिस्थितियाँ उत्पन्न होने के रूप में मिलता है।

## प्रत्यक्ष-परोक्ष लाभ

यज्ञ का वैज्ञानिक पक्ष वायुशोधन का है। आज वायु प्रदूषण विश्व संकट का गंभीर रूप धारण कर रहा है। अणु विकिरण, वायु में विषाक्तता, कोलाहल की प्रतिक्रिया पर चिन्ता व्यक्त की जाती है। ऐसे में इनके परिशोधन के प्रमुख अस्त्र यज्ञोपचार को फिर से प्रखर बनाना होगा।

यज्ञ का सूक्ष्म जगत पर गहरा प्रभाव होता है, जो वातावरण का शोधन करता है। तत्त्वदर्शी मनीषी जानते हैं कि वातावरण का प्रवाह मानवी तूफानों से भी अधिक सशक्त होता है। सामान्य जनचेतना समय के प्रवाह में बहती रहती है। किसी समय में युद्धोन्माद उभरते हैं तो हर आदमी पर लड़ाई के प्रति उत्साह छाया रहता है। किसी समय विलासिता की ऐसी लहर आती है कि सर्वत्र राग-रंग के ही नजारे दीखने लगते हैं। तरह-तरह के फैशन और व्यसन भी किसी समय एक ही स्तर के उभरते हैं और जनमानस को अपने साथ घसीटते हैं। इन दिनों व्यक्तिवादी संकीर्णता और प्रत्यक्षवादी भौतिकता का रंग हर किसी पर चढ़ा हुआ है।

वातावरण परिष्कार के प्रयत्नों में यज्ञ की गरिमा सर्वोपरि मानी गई है। उसका प्रत्यक्ष प्रभाव लोक शिक्षण, आरोग्य संवर्धन, पर्जन्य अभिवर्षण आदि के रूप में दृष्टिगोचर होता है, लेकिन यज्ञ का परोक्ष लाभ इससे कहीं अधिक महत्त्व का है। यदि वातावरण अनुकूल हो सके तो सब कुछ स्वल्प प्रयत्नों से ही सरल और सफल होता चला जाता है। हवा के रुख पर नाव चलने, वर्षा आते ही हरियाली उग पड़ने, वसन्त में मादकता छाने जैसे असंख्य उदाहरण वातावरण के प्रभाव का परिचय देते हैं।

सूक्ष्म वातावरण की अपनी सामर्थ्य होती है और वह सर्दी-गर्मी की तरह हर किसी को प्रभावित करती है। तत्त्ववेत्ता जानते हैं कि सत्प्रवृत्तियाँ और दुष्प्रवृत्तियाँ कभी-कभी छूत की बीमारियों की तरह फैलती हैं, घटाओं की तरह घुमड़ती हैं, तूफानों की तरह उछलती हैं और लोकमानस को अपने साथ इधर से उधर घसीटे फिरती हैं। यह प्रचण्डता जब दुष्प्रवृत्तियों के रूप में उभरती है तो सामान्य उपाय-उपचारों से रोके नहीं रुकतीं। नेताओं के उद्बोधन, कानूनी प्रतिबन्ध, सुधार के लिए किये गये प्रयत्न एक कोने पर रखे रह जाते हैं और विकृतियाँ अपनी गति से दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती चली जाती हैं।

इसी प्रकार जिन दिनों आदर्शवादी सत्प्रवृत्तियों का जोर होता है, उन दिनों बिना किसी विशेष प्रयत्न के उत्कृष्टता की गतिविधियाँ बिना किसी बहुत बड़ी तैयारी और योजना के अनायास ही बढ़ती, पनपती चली जाती हैं। बुद्ध युग में, गाँधी युग में जो कुछ अद्भुत देखने को मिला, उसके पीछे मानवी प्रयत्नों को उतना श्रेय नहीं जाता, जितना कि अदृश्य वातावरण में काम कर रहे प्रचण्ड प्रवाह को।

## यज्ञ अभियान की आवश्यकता

युग निर्माण के अभियान को चरम लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए जहाँ प्रचारात्मक, रचनात्मक, सुधारात्मक उपाय अपनाने और सरंजाम खड़े करने की आवश्यकता है, वहीं सूक्ष्म जगत की अनुकूलता के लिए प्रयत्न करना उससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण है। यों सुधार-उपचार करने में शासन तन्त्र अपनी सामर्थ्य भर बहुत कुछ करता है। सार्वजनिक संस्थायें और समर्थ व्यक्तियों के निजी प्रयास भी कम उत्साहवर्धक नहीं हैं। इतने पर भी परिणाम निराशाजनक ही सामने आते हैं। कानून, पुलिस, अदालत, जेल आदि का समर्थ और खर्चीला तन्त्र अपराधों की बाढ़ को रोक सकने में सफल नहीं हो रहा है। इस निराशा की छाया में यह विचार करने के लिए विवश होना पड़ता है कि कहीं कोई मौलिक कमी रह गई है, जिसके कारण सामर्थ्य का इतना बड़ा नियोजन भी निराशाजनक परिणाम उत्पन्न कर रहा है। प्रोपेगण्डा-प्रदर्शनों पर आधारित आन्दोलनों की भी पानी के बुलबुलों जैसी दुर्गति होती पग-पग पर देखी जाती है।

अवांछनीयताओं के उन्मूलन के लिए स्थायी उपायों के रूप में अध्यात्म पर आधारित ऐसे उपचारों को हाथ में लेना होगा, जो सूक्ष्म जगत में शालीनता और सृजनशीलता का प्रवाह उत्पन्न कर सकें। ऐसे उपायों में सामूहिक धर्मानुष्ठानों का पक्ष सामने आता है। सामूहिक गायत्री महापुरश्चरणों जैसे प्रयत्नों को बड़े परिमाण में करने की आवश्यकता अनुभव होती है। इस सन्दर्भ में 'यज्ञ' का विज्ञान और विधान अपनी महत्ता का बार-बार स्मरण दिलाता है। कहना न होगा कि यज्ञ का गायत्री के साथ अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है। दोनों अविच्छिन्न हैं। विशेष परिस्थितियों में विशेष यज्ञ विधानों की भी उपयोगिता हो सकती है, किन्तु वातावरण के परिशोधन जैसे महान और व्यापक प्रयास के लिए तो गायत्री यज्ञ के अतिरिक्त और कुछ सोचा भी नहीं जा सकता।

### यज्ञ का सूक्ष्म विज्ञान

यज्ञ के तत्त्वज्ञान और विधि-विधान में ऐसे तत्त्व विद्यमान हैं जो सूक्ष्म जगत के अदृश्य वातावरण में देवत्व की मात्रा बढ़ाते हैं। उससे सर्वजनीन सुख-शान्ति में अदृश्य सहायता मिलती है। वायुशोधन को यज्ञ का प्रधान उद्देश्य समझा जाता है। यों उपयोगिता उसकी भी है, पर वास्तविकता दूसरी ही है। वायुशोधन नहीं, वातावरण का निर्माण यज्ञों का प्रमुख प्रयोजन है। पवित्र वेदमन्त्रों का सस्वर उच्चारण विश्व-चेतना में पवित्रता के तत्त्व भरने वाले दिव्य कम्पन उत्पन्न करता है। सामान्य आग को यज्ञाग्नि-देवाग्नि बनाने का कार्य अध्वर्यु उद्गाता जैसे विशिष्ट याजकों की श्रद्धा और संकल्प शक्ति करती है। पवित्र हवन द्रव्यों के जलने से उत्पन्न हुई ऊर्जा से सूक्ष्म जगत में उपयोगी परिवर्तन होते हैं। एकरूपता, समस्वरता, सहक्रिया की विशिष्ट शक्ति सर्वत्र स्वीकारी जाती है। यज्ञ में ऐसे-ऐसे अनेकानेक आधारों का समन्वय है, जिनका सम्मिलित प्रभाव वातावरण में ऐसे उपयोगी तत्त्वों का समावेश करता है जो अविज्ञात रूप से विश्व-कल्याण की भूमिका सम्पन्न कर सकें। 28/4.42

प्राचीन काल में भी आज की तरह ही वातावरण में विषाक्तता भर जाने और दुष्प्रवृत्तियों के विस्तार से आतंक छा जाने का संकट उत्पन्न था। उसके निवारण के लिए भौतिक प्रयत्न भी चलते रहे, किन्तु अध्यात्म उपचारों को विस्मृत नहीं किया गया। रावण कालीन असुरता से निपटने योग्य वातावरण बनाने के लिए गायत्री के दृष्टा महर्षि विश्वामित्र ने सुविस्तृत यज्ञ किया था। उसकी सफलता एवं सुरक्षा का उत्तरदायित्व भगवान राम-लक्ष्मण ने निभाया था।

## ध्वंस से बचें, सृजन को चुनें

क्रान्तियाँ तोड़-फोड़, बदलाव, परिवर्तन को कहते हैं। उसमें उखाड़-पछाड़ का ध्वंसात्मक पक्ष आगे रहता है। यह भौतिक पक्ष हुआ। आत्मिक पक्ष में सृजन को प्रधान रखना होता है, ताकि ध्वंस की आवश्यकता ही न पड़े। अन्धेरे को पीटने की अपेक्षा यह अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण है कि प्रकाश की व्यवस्था बनायी जाए। युगक्रान्ति के लिए इन दिनों जो उच्चस्तरीय प्रयास चल रहे हैं, उनमें समावेश तो प्रत्यक्षतः रचनात्मक कार्यक्रमों का भी रहेगा, पर मूलतः उसे वातावरण परिशोधन की सूक्ष्म प्रक्रिया ही समझा जाना चाहिए। इसमें सृजन मुख्य है, ध्वंस गौण। सत्प्रवृत्तियों के अभिवर्धन का अनुपात जिस क्रम से बढ़ेगा, उसी के अनुरूप दुष्प्रवृत्तियाँ घटती चली जायेंगी। दुष्प्रवृत्तियाँ तोड़ने भर में आवश्यक नहीं कि सत्प्रवृत्तियाँ बढ़ ही जाय। इससे तो रिक्तता भी आ सकती है, किन्तु सृजनात्मक प्रयोगों का सत्परिणाम सुनिश्चित है। उससे विघातक तत्त्वों का सहज निराकरण होता चला जायगा और युगक्रान्ति का उद्देश्य सुगमतापूर्वक पूरा होता चलेगा।

गायत्री यज्ञों की शृंखला में युग क्रान्ति के स्थूल और सूक्ष्म स्तर के उन सभी तत्त्वों का समावेश है, जो जनमानस को, व्यापक वातावरण को परिष्कृत करके उज्ज्वल भविष्य की संरचना कर सकते हैं। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इन दिनों समर्थ ऊर्जा उत्पन्न करने वाले यज्ञों की सुव्यवस्थित शृंखला बनायी गयी है और अनेक स्थानों पर यज्ञ आयोजित किये जा रहे हैं।

# 'गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ-उपासना' अभियान का संदेश - जियो और जीने दो

## इसी भाव के साथ देश आगे बढ़ रहा है, समाज में भी व्यापक बदलाव की आवश्यकता है

### परिवर्तन की वेला

इन दिनों हम परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। देश प्रगति की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है तो दूसरी ओर नित नई समस्याएँ भी खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। कोरोनावायरस ने पहले ही प्रगति में बड़ा अवरोध उत्पन्न कर दिया था, अब यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण बढ़ती महँगाई जीवनयापन और संसाधनों के विकास में अवरोध उत्पन्न कर रही है। बेरोजगारी, गरीबी, पर्यावरण प्रदूषण, जल संकट, अस्वच्छता, कुपोषण जैसी अनेक समस्याएँ हैं। वहीं अब देश में बढ़ता असहिष्णुता का वातावरण चिन्ताजनक है।

परिवर्तन के इन क्षणों में सर्वाधिक आनन्ददायक है विश्वपटल पर भारत की बढ़ती साख। रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को दो पक्षों में बाँट दिया। दोनों ही पक्षों के देशों से भारत के अच्छे सम्बन्ध हैं। ऐसे में सभी के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं था। लेकिन भारत तटस्थ रहा और अपना समर्थन करने के लिए दबाब बना रहे देशों ने भी आगे चलकर भारत के दृष्टिकोण की सराहना की, यह सभी जानते हैं। हमारी विदेश नीति की सराहना करने से हमारे धुर विरोधी राष्ट्र भी स्वयं को रोक नहीं पाए।

आज पूरे विश्व में भारत के प्रति सम्मान बढ़ा है। बम-बारूद के जखीरे पर बैठी दुनिया विश्वशान्ति स्थापित करने में भारत की बड़ी भूमिका देख रही हैं। इसका एकमात्र कारण है हमारा मानवतावादी दृष्टिकोण। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः ...' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे अपने सनातन सूत्रों के प्रति अटूट आस्था और दृढ़तापूर्वक उनका पालन। जहाँ बड़े-बड़े देशों के रिश्ते स्वार्थ की बुनियाद पर टिके हैं, वे अपना-अपना बाजार तलाश रहे हैं और अहंकारवश दूसरों पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए परस्पर टकरा रहे हैं, वहीं भारत ने सदैव सबके भले के लिए ही कार्य किया है।

यूक्रेन और रूस के युद्ध में जीत किसी की भी हो, हारी मानवता ही है। पूरा यूक्रेन उजड़ गया। संभव है हजारों की संख्या में निर्दोष सैनिकों और नागरिकों की जान चली गई हो। समाचार लिखे जाने तक 45 लाख यूक्रेनी दूसरे देशों में जा चुके हैं। एक करोड़ से अधिक बेघर हैं, रोजगार नहीं रहा। युद्धभूमि में लाशों का ढेर देखकर कलिंग सम्राट अशोक का हृदय पसीज गया था और वे भगवान बुद्ध की शरण में चले गए थे, लेकिन यहाँ तो विनाश लीला थमने का नाम ही नहीं ले रही।

दुनिया यूक्रेन की सहायता हथियार देकर कर रही है, वहीं भारत अपने मानवतावादी दृष्टिकोण के आधार पर वहाँ दवाइयाँ, खाद्य पदार्थ एवं अन्य जीवनावश्यक सामग्री भेज रहा है। जब भी मानवता पर संकट आया तब भारत ने अपने मतभेदों को ताक पर रखकर सहायता का हाथ बढ़ाया है, फिर चाहे वह संकट अफगानिस्तान में आया हो, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश, मालदीव आदि कहीं भी क्यों न हो। कोरोनावायरस संक्रमण जैसी महासंकट की घड़ी में जब समर्थ और सम्पन्न देश अपनी वैक्सीन के लिए बाजार तलाशते दिखाई दिए, भारत ने स्वयं टीकाकरण का महान अभियान चलाकर विश्वपटल पर अद्वितीय कीर्ति अर्जित की और अपने मानवतावादी दृष्टिकोण के आधार पर न जाने कितने जरूरतमंद देशों की सहायता भी की।

### यज्ञ ही है समाधान

गहराई से देखा जाए तो आज दुनिया की समस्त समस्याओं का समाधान है भारत का अध्यात्मवादी-मानवतावादी दृष्टिकोण। हमारी सनातन संस्कृति जिस मान्यता की बुनियाद पर टिकी है, वह है 'जियो और जीने दो'। यही सच्चा यज्ञभाव है। वैसे तो यज्ञ का तत्त्वदर्शन और उसकी व्याख्या बड़ी विशद है। वेद, पुराणों से लेकर समस्त आर्षग्रंथों, ऋषि-मनीषियों ने यज्ञ की महिमा गाई है। यज्ञ तो सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की धुरी है। ''अयं यज्ञो विश्वस्य भुवनस्य नाभिः'' (अथर्ववेद 9.15.14)। लेकिन सामान्य

**गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ**
**बुद्ध पूर्णिमा**
**15, 16 मई 2022**

जनमानस को यज्ञ के तत्त्वदर्शन का सार समझना हो तो इतना समझ लेना चाहिए कि ईर्ष्या, राग, द्वेष, स्वार्थ, संकीर्णता जैसी हीन वृत्तियों का त्याग कर अपनी शक्ति-सामर्थ्य को लोकमंगल में नियोजित करना 'यज्ञ' है। जीवन का सच्चा आनन्द ईश्वर परायण होकर इस यज्ञभाव के साथ जीने में ही है। जहाँ यज्ञभाव है, वहाँ स्वर्ग है।

संसार में साधन-सुविधाएँ चाहे कितनी भी क्यों न बढ़ा ली जायें, लेकिन जब तक जीवन में प्रेम, उदारता, सहकार, सहिष्णुता, शालीनता, करुणा, ममता जैसे सद्गुणों का अभाव रहेगा तब तक सुख-शान्ति संभव नहीं है। गायत्री उपासना और यज्ञ इन सद्गुणों के जीवन में समावेश की प्रेरणा है, सहज अभ्यास है। निरन्तर अभ्यास से मानवीय धारणाओं को, विचारों को और भावनाओं को परिष्कृत करने का अत्यंत सरल उपाय है यज्ञ। वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टि से व्यक्तित्व को निखारने का अत्यंत प्रभावशाली माध्यम है यज्ञ। जिस घर-परिवारों में यज्ञ होता है, वहाँ परस्पर प्यार, सामंजस्य, स्नेह-सहकार का भाव बढ़ता जाता है।

यज्ञ का प्रभाव बड़ा व्यापक है। शास्त्र कहते हैं कि यज्ञ से पर्जन्य की, प्राणों की वर्षा होती है। यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है। वातावरण में निहित विषाणुओं का नाश होता है। दिव्य मंत्रों के प्रभाव से वातावरण में अलौकिक दिव्यता का संचार होता है। इन सब लाभों के बावजूद आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है मानवीय मन में छाई विषाक्तता को दूर करने के लिए जन-जन के मन में यज्ञभाव का, परमार्थ परायणता का संचार। अखिल विश्व गायत्री परिवार का 'गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ-उपासना' अभियान समाज में ऐसी ही सद्भावनाओं के विकास का ही महा अभियान है।

### बात दृष्टिकोण के परिवर्तन की

अध्यात्म संसाधनों के उपार्जन, उपेक्षा या आलस्य की शिक्षा नहीं देता और न ही अपने कर्त्तव्यों से मुँह मोड़ना सिखाता है, बल्कि वह तो व्यक्ति को अधिक कर्त्तव्यपरायण बनाता है। मानवतावादी, अध्यात्मवादी होने का अर्थ अपनी सोच को परिष्कृत करते रहना है। उपभोग नहीं, उपयोग करें; बड़े नहीं, महान बनें; धनवान और बलवान ही नहीं, इन्सान भी बनें, सुन्दरता बढ़े लेकिन शालीनता के साथ; यही तो धर्म-अध्यात्म की सीधी-सी शिक्षाएँ हैं।

वर्तमान राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से समझिए। हम मानवतावादी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्र को सबल और सशक्त बनाने में भी पीछे नहीं हैं, क्योंकि शास्त्र भी कहते हैं कि संसार में बल की पूजा होती है। कमजोर के मुख से नीति वचन भी शोभा नहीं देते। बड़ी मछली द्वारा छोटी मछली को खा जाने की परम्परा शाश्वत है। दुष्ट और आततायियों को उन्हीं की भाषा समझ में आती है, इसके लिए बलवान और सामर्थ्यवान होना जरूरी है। यही कारण है कि भारत ने सहृदयता के साथ सबका सहयोग किया है और स्वयं को सशक्त, स्वावलम्बी बनाने के लिए भी तेजी से कदम बढ़ाये हैं।

ध्यान देने योग्य यह भी है कि धन-साधनों से ही कोई शक्तिशाली नहीं हो जाता। आत्मबल का महत्त्व सर्वोपरि है। आत्मबल के सहारे बड़ी-बड़ी चुनौतियों को पार किया जा सकता है। कहते हैं कि सत्य में हजार हाथियों का बल होता है। अंतःकरण की पवित्रता, परमार्थपरायणता जैसे गुण व्यक्ति को निर्भीक और शक्तिशाली बना देते हैं। विश्व को नेतृत्व प्रदान करने की ओर तेजी से बढ़ रहे भारत की सफलता में भी इसी प्रकार के नैतिक मूल्यों के अहम योगदान को नकारा नहीं जा सकता। यह आत्मबल अध्यात्मवादी जीवन से और नैतिकता के पालन से अर्जित होता है। हमारा 'गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ-उपासना' अभियान निःसंदेह लोगों में आत्मबल और आत्मविश्वास जगाकर उनको जीने की नई राह दिखा रहा है।

### विभूतियाँ सहयोग करें

समाज में व्यापक बदलाव के लिए मन और विचारों में परिवर्तन आवश्यक है। इस कार्य हेतु समाज के मूर्धन्यों को विशेष भूमिका निभानी होगी। परम पूज्य गुरुदेव ने परिवर्तन के लिए पाँच विभूतियों से सहयोग का आह्वान किया है-धर्मतंत्र, राजनेता, पूँजीपति, कलाकार और वैज्ञानिक। यदि ये विभूतियाँ इंसानियत के धरातल पर उतर कर मानवमात्र के हित की कामना के साथ अपनी विभूतियों का उपयोग करने लगें तो समाज बदलता चला जाएगा।

**धर्मतंत्र** को धर्मान्धता छोड़ कर देश, काल, परिस्थितियों की आवश्यकता के अनुरूप ढलना और अपने समाज को ढालना चाहिए। धर्म की रक्षा आवश्यक है। अधर्म मिटाने के लिए महाभारत हुआ, गुरुगोविंद सिंह, महाराणा प्रताप, शिवाजी जैसों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन धर्मतंत्र में आई विकृतियों को दूर करने के लिए भगवान बुद्ध, महावीर, शंकराचार्य, विवेकानन्द और परम पूज्य गुरुदेव जैसे महापुरुषों का अवतरण भी तो हुआ है। आज ऐसी ही विवेकसम्मत सोच को अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हर धर्म-सम्प्रदाय के मूर्धन्यों को मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

**राजतंत्र** शासक नहीं, सेवक के भाव के साथ समाज के उत्कर्ष का सरंजाम जुटाए। उनमें यदि सेवाभाव जाग जाये तो भय, भेद, भ्रष्टाचार, आतंक, अराजकता आदि की जड़ें स्वतः ही खोखली होती चली जाएँगी।

**पूँजीपतियों** को चाहिए कि वे अपनी दुकान-प्रतिष्ठान, उद्योगों में काम कर रहे कर्मचारियों को अपने परिवार की तरह से देखें और उसी भाव के साथ उनके विकास की भी सोचें। अध्यात्मवादी जीवन शैली और सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित किया जाये तो धीरे-धीरे मालिक और कर्मचारियों के बीच पारिवारिक आत्मीयता का विकास हो सकता है, जिसमें दोनों परस्पर एक-दूसरे की सुख-समृद्धि, सफलता-असफलता में साथ दे सकें।

**कलाकारों** पर समाज के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेखनी की ताकत से साम्राज्य बदल जाते हैं। आज तो सोशल मीडिया का समाज पर बहुत प्रभाव है। यदि लेखक, चित्रकार, फिल्मकार, पत्रकार, अभिनेताओं के मन-मस्तिष्क और हृदय में समाज के दुःख-दर्द को दूर करने की हूक उठने लगे तो समाज को बदलते देर नहीं लगेगी।

**वैज्ञानिकों** की सामाजिक संरचना में बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। आज पूरे विश्व में विनाश के सरंजाम जुटाने की खोज में एक बड़ी शक्ति लगी है। यह शक्ति मानवता के लिए कल्याणकारी कार्यों में लग सके, ऐसे प्रयास किए जाने चाहिए।

हमारा गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ-उपासना अभियान इन सभी विभूतियों की सोच में मानवतावादी दृष्टिकोण को समाहित करने का एक विराट प्रयोग है।

### जनमानस चेते

15, 16 मई 2022 (बुद्ध पूर्णिमा) के दिन गायत्री परिवार का पूरे देश में 25 लाख घरों में यज्ञ कराने का लक्ष्य है। यह यज्ञ अभियान कई वर्षों से चल रहा है और निरन्तर चलता रहेगा। जहाँ यज्ञ हों, वहाँ जनमानस को बदलने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्हें जीवन में सार्थक बदलाव के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, जैसे-

- बढ़ती जनसंख्या समाज के लिए अभिशाप है। इस पर हर वर्ग को, हर धर्म-सम्प्रदाय को स्वतः ही नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।
- धन-सम्पदा किसी व्यक्ति विशेष ने भले ही अर्जित की हो या विरासत में मिली हो, लेकिन उसका उपयोग मालिक की तरह नहीं, माली के दृष्टिकोण से समाज की धरोहर मानकर सबके कल्याण के लिए होना चाहिए।
- जब धरती पर लाखों लोगों को दो वक्त की रोटी न मिलती हो, ऐसे में अन्न की बर्बादी बहुत बड़ा पाप है।
- धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण आज का परम धर्म है।
- स्वावलम्बी बनें, श्रम से जी न चुरायें।
- विवाह, यज्ञोपवीत, मुण्डन, जन्मदिवस, विवाह दिवस आदि संस्कार समाराहों को एक धर्मानुष्ठान की तरह मनाया जाए। इन अवसरों पर अपव्यय करना सामाजिक अपराध माना जाए। ऐसे अपव्यय व्यक्ति को दरिद्र और बेईमान बनाते है।
- नारी अपनी सृजनशीलता, स्नेह-संवेदना को विकसित कर और व्यवहार में लाकर घर, परिवार और समाज को मनचाहा आकार दे सकती है। आधुनिकता की होड़ में उसके द्वारा अश्लीलता और कामुकता को प्रोत्साहित करना अशोभनीय है।
- अस्वच्छता सभ्य समाज में एक अभिशाप है।

सामाजिक जीवन में यज्ञभाव बढ़ता रहे, यही हमारा प्रयास हो। गायत्री उपासना और यज्ञ के साथ यह प्रयास और अभ्यास निरन्तर होते रहना। गुरुकृपा से जहाँ भी ऐसे प्रयास होते हैं वहाँ के वातावरण में प्रेम, समरसता, संस्कार, सद्विचार और सद्भावों का समावेश होता जाता है, फिर चाहे वह प्रयास बड़े कुण्डीय यज्ञों के साथ हों, दीपयज्ञ अथवा बलिवैश्व देव यज्ञ के साथ। 'जियो और जीने दो' का सिद्धांत अपनाकर देश प्रगति कर रहा है। आइये इसी भाव के साथ हम अपने समाज को और बेहतर बनायें।

## श्रद्धेया शैल जीजी के सान्निध्य से अभिभूत हुए राजस्थान-गुजरात के युगनिर्माणी योद्धा

# गायत्री शक्तिपीठ सागवाड़ा का वार्षिकोत्सव एवं सप्त गौ परिक्रमा मंदिर का लोकार्पण

**सागवाड़ा, डुंगरपुर। राजस्थान**
गायत्री शक्तिपीठ सागवाड़ा में माँ गायत्री एवं प्रज्ञेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा का वार्षिकोत्सव एवं सप्त गौ परिक्रमा मंदिर का लोकार्पण दिनांक 12 से 14 अप्रैल 2022 की तिथियों में आयोजित 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ।

मंचासीन श्रद्धेया शैल जीजी (मध्य में), उनके बायें आद. डॉ. चिन्मय जी, बाँये आद. शेफाली जीजी तथा अग्रिम पंक्ति में होता-उद्‌गाता बंधु नीचे बटुकों का दीक्षा संस्कार, यज्ञ करते श्रद्धालु और दायें सद्‌ग्रंथ स्थापना का दिव्य दृश्य

### अविस्मरणीय सौभाग्य

परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वन्दनीया माताजी की आकांक्षाओं के अनुरूप जनजागरण केन्द्र के रूप में तेजी से उभरती राजस्थान की वनवासी क्षेत्र की इस शक्तिपीठ का सौभाग्य है कि दिनांक 13 अप्रैल 2022 को स्नेह सलिला श्रद्धेया शैल जीजी सागवाड़ा पधारीं। कोरोना काल के लम्बे अन्तराल के बाद अपने पहले प्रवास के लिए वीरभूमि राजस्थान की इस भूमि को चुना। श्रद्धेया जीजी ने उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को दर्शन, प्रणाम और दीक्षा के क्रम में अपने दिव्य प्रेम की वर्षा कर अभिभूत कर दिया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं आदरणीया श्रीमती शेफाली जीजी, राजस्थान जोन समन्वयक श्री ओमप्रकाश अग्रवाल भी श्रद्धेया जीजी के साथ सागवाड़ा पहुँचे थे। सागवाड़ा पहुँचने पर श्री घनश्याम पालीवाल, उपजोन समन्वयक श्री कुलदीप सिंह राणावत, जिला समन्वयक श्री भूपेंद्र पण्ड्या, श्री नारायण लाल पण्ड्या ने सभी का स्वागत किया। राजस्थान और गुजरात से आये गायत्री परिजनों में उनके स्वागत के लिए गजब का उत्साह था। श्रद्धेया जीजी को अपने बीच पाने के अविस्मरणीय सौभाग्य से सभी बेहद प्रसन्न थे।

108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के तीन दिवसीय कार्यक्रम में 13 अप्रैल को प्रातः देवपूजन तथा श्रद्धेया जीजी द्वारा सप्त गौ परिक्रमा मंदिर में गौ माता का पूजन और मंदिर का लोकार्पण हुआ। उनके श्रीमुख से सैकड़ों नये परिजनों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली, वे गुरुवर के अभियान के प्रति समर्पित हुए। पूर्णाहुति के दिन 28 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया।

### माननीय राज्यपाल पधारे

महायज्ञ की पूर्णाहुति 14 अप्रैल को प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र जी की मुख्य आतिथ्य में हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह यज्ञ अनुष्ठान मानव मात्र के कल्याण और विश्व शांति का सूचक है। उन्होंने भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए संकल्प बद्ध होकर प्रयास करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अनेक केंद्रीय मंत्री, राजस्थान राज्य के मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी गण उपस्थित थे।

समस्त कार्यक्रम का संचालन करने के लिए शांतिकुंज से सर्वश्री नरेंद्र ठाकुर, महेंद्र सिंह, ओंकार पाटीदार, नारायण रघुवंशी एवं बसंत यादव की टोली पहुँची थी।

हैलीपैड पर श्रद्धेया जीजी का स्वागत

सप्त गौ परिक्रमा मंदिर का लोकार्पण

श्रद्धेया जीजी की स्नेहवर्षा

मान. राज्यपाल द्वारा गुरुदेव-माताजी को श्रद्धाञ्जलि

सूर्य कुण्ड में यज्ञ करते राज्यपाल

# प.पू. गुरुदेव द्वारा प्रतिष्ठित प्रथम गायत्री शक्तिपीठ शामलाजी का 42वाँ वार्षिकोत्सव

**शामलाजी, अरवल्ली। गुजरात**
परम पूज्य गुरुदेव द्वारा प्राण प्रतिष्ठित प्रथम शक्तिपीठ शामलाजी का 42 वाँ वार्षिकोत्सव 13 और 14 अप्रैल 2022 की तिथियों में श्रद्धेया शैल जीजी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर साबरकांठा तथा अरवल्ली जिले के हजारों श्रद्धालुओं ने युग की ज्ञानगंगोत्री शान्तिकुञ्ज से आए गुरुचेतना के प्रखर प्रवाह की दिव्य अनुभूति की। श्रद्धेया जीजी के दर्शन कर श्रद्धालुओं के अंतःकरण में अलौकिक आनन्द की हिलोरें उठती रहीं। आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी एवं आदरणीया शेफाली जीजी की उपस्थिति भी श्रद्धालुओं में नवचेतना का संचार करती रही।

विश्व प्रसिद्ध वैष्णवतीर्थ शामलाजी में अरावली पर्वत मालाओं की गोद में निर्मित गायत्री शक्तिपीठ शामलाजी की प्राण प्रतिष्ठा प.पू. गुरुदेव ने 19 अप्रैल 1980 के दिन की थी। आज यह शक्तिपीठ अरवल्ली और साबरकांठा जिलों में मिशन की सक्रियता का केन्द्र है। श्रद्धालुओं को ऊँची पहाड़ी पर स्थित गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन दूर से ही हो जाते हैं। शक्तिपीठ के जीर्णोद्धार और ट्रस्ट के पुनर्गठन के पश्चात् इस ऐतिहासिक शक्तिपीठ का 42वाँ वार्षिकोत्सव 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ मनाया गया।

दो दिवसीय समारोह के अन्तर्गत 13 अप्रैल को विशाल कलश शोभायात्रा निकाली गई। सैकड़ों बहिन-भाइयों ने मस्तक पर मंत्र लिखित पुस्तिकाएँ एवं सद्‌ग्रंथों को धारण कर जीवन साधना की प्रतिबद्धता और युगऋषि के विचारों के प्रति अपनी आस्था का परिचय दिया। हाथों में बैनर, ध्वजा लिए गायत्री मंत्र गायन और जयघोष करती जनमेदिनी ने अरावली पर्वतमालाओं को गुंजायमान कर दिया।

समस्त कार्यक्रम जोन, उपजोन तथा साबरकांठा एवं अरवल्ली दोनों जिलों के कार्यकर्त्ताओं की असीम श्रद्धा और अथक परिश्रम के परिणाम स्वरूप बड़ी सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। इस विशिष्ट अवसर का लाभ लेने पूरे गुजरात से श्रद्धालु उपस्थित थे।

दीक्षा के समय श्रद्धा का संचार करतीं शैल जीजी और शक्तिपीठ में प्रतिष्ठित माँ गायत्री

### भावों में भगवान बसते हैं

14 अप्रैल को यज्ञ के साथ विविध संस्कार हुए। श्रद्धेया शैल जीजी के श्रीमुख से हजारों लोगों ने गायत्री महामंत्र की दीक्षा ली। श्रद्धेया जीजी ने दीक्षा संस्कार को श्रद्धा-भावनाओं के आरोपण का विशिष्ट प्रयोग बताया। उन्होंने कहा कि भावनाओं में भगवान बसा करते हैं। भावनाएँ जब भक्त प्रह्लाद और मीरा जैसी हो तो भगवान भी भक्त के वश में हो जाते हैं।

### दुर्लभ सौभाग्य के क्षण

दीक्षा से पूर्व आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने श्रद्धालुओं को समय की विशिष्टता और उनके सौभाग्य का बोध कराया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर भक्त भगवान को पुकारा करते हैं, लेकिन यह ऐसा अवसर है, जब भगवान ने जाग्रत् आत्माओं को पुकारा है। जो तपस्वी आत्माएँ हैं, जिनके मन में भगवान के प्रति भाव हैं, जो जानते हैं कि यह प्रज्ञा के अवतरण का समय है, उन्हें भगवान ने अपना सहयोगी बनाने के लिए पुकारा है। जो समय को पहचान लेते हैं, वे धन्य हो जाते हैं।

### पात्रता के अनुरूप अनुदान

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी ने साधकों को उनकी पात्रता के विकास की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि मंत्र सभी के लिए एक होता है, गुरु भी एक होता है, लेकिन साधक अपनी पात्रता के अनुरूप ही अनुदान प्राप्त करते हैं। एकलव्य और अर्जुन के गुरु एक ही थे, लेकिन जो एकलव्य को मिला, वह अर्जुन को नहीं मिला और जो अर्जुन को मिला वह एकलव्य को नहीं मिला।

### आज का युगधर्म

डॉ. चिन्मय जी ने युगधर्म का बोध कराते हुए कहा कि परम पूज्य गुरुदेव के विचारों में, उनके साहित्य में वर्तमान युग की समस्त समस्याओं का समाधान विद्यमान है। युगसृजेताओं को इसे घर-घर पहुँचाकर मानवता की सेवा करनी है।

मंचासीन श्रद्धेया शैल जीजी (मध्य में), उनके बायें आद. डॉ. चिन्मय जी, दायें आद. शेफाली जीजी तथा दीक्षा ले रहे श्रद्धालु-साधक



नारी की करुणा अन्तर्जगत का उच्चतम विकास है, जिसके बल पर समस्त सदाचार ठहरे हुए हैं। - जयशंकर प्रसाद

# युगसृजेताओं के सुख बाँटने, दुःख बँटाने और समाज को सही दिशा देने के प्रयास

**विचार क्रान्ति की पहल : क्षेत्रीय गणमान्यों, स्कूल-संस्थाओं तक मिशन को पहुँचाने के प्रयास होंगे**

## देव संस्कृति दिग्दर्शन, पंजाबी विरसा (संस्कृति) सहज स्वास्थ्य प्रदर्शनी

विधायक श्री कुलवंत सिंह को साहित्य दिखाते और विद्यार्थियों को समझाते श्री चंद्रमोहन शर्मा तथा प्रदर्शनी देखते नगरवासी

**मोहाली। पंजाब**
चण्डीगढ़-पंजाब में विचार क्रांति अभियान के व्यापक विस्तार का लक्ष्य रखते हुए गायत्री शक्तिपीठ मोहाली में 'देव संस्कृति दिग्दर्शन, पंजाबी विरसा सहज स्वास्थ्य प्रदर्शनी' लगाई गई है। श्री श्रवण कुमार गर्ग, चेयरमैन हरियाणा गौ सेवा आयोग ने 16 अप्रैल 2022, हनुमान जयंती के दिन दीप प्रज्वलन कर इसका लोकार्पण किया। गायत्री परिवार के पंजाब जोन के समन्वयक श्री चंद्र मोहन शर्मा ने बताया कि यह प्रदर्शनी आगामी गुरुपूर्णिमा तक रहेगी। प्रदर्शनी दर्शन के लिए शिक्षा संस्थानों, औद्योगिक संस्थानों, धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित कर उन्हें मिशन की योजनाओं एवं परम पूज्य गुरुदेव के विचारों से अवगत कराया जाएगा।

**प्रदर्शनी-एक दृष्टि में**
श्री चंद्र मोहन शर्मा जी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में परम पूज्य गुरुदेव द्वारा रचित साहित्य के अलावा सहज स्वास्थ्य

### गुरुपूर्णिमा तक रहेगी प्रदर्शनी

प्राप्ति के लिए गौ उत्पाद एवं आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारियाँ उपलब्ध कराई गई हैं। आयुर्वेदिक औषध से रोगों के उपचार एवं गौ उत्पाद से स्वास्थ्य व सौंदर्य प्रसाधन बनाने की जानकारियाँ प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ भी उपलब्ध कराए जाएँगे। इस प्रदर्शनी में पंजाबी संस्कृति से जुड़ी कुछ एक कलाकृतियाँ भी प्रदर्शित की जाएँगी। समस्त सेवाएँ निशुल्क होंगी। यह प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रात 9:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक खुली रहेगी।

**विशिष्ट अभ्यागतों का आगमन,**
लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि हरियाणा गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार गर्ग ने शान्तिकुञ्ज और हरियाणा सरकार द्वारा बनाए जा रहे गौ उत्पादों से संबंधित जानकारियाँ दीं। उन्होंने लोगों को गौ पालन के लिए प्रेरित किया। 17 अप्रैल को हिमाचल से पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश के बीजेपी प्रभारी श्री अविनाश राय खन्ना आये, उन्होंने अपने द्वारा स्थापित महाविद्यालय की प्रतियोगिताओं में पुरस्कारस्वरूप परम पूज्य गुरुदेव द्वारा रचित साहित्य देने का निश्चय किया और उसके लिए साहित्य भी खरीदा।

18 अप्रैल को मोहाली के विधायक श्री कुलवंत सिंह आए। उन्होंने स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए गायत्री परिवार का सहयोग करने का आश्वासन दिया। क्रमशः अगले दिनों सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक श्री ए.पी. पंडेर का आगमन हुआ। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक और विद्यार्थी प्रदर्शनी में ज्ञानार्जन के लिए पहुँच रहे हैं।

प्रदर्शनी की डिजाइनिंग में चि. मनन मोहन शर्मा की मुख्य भूमिका रही। सर्वश्री बृजमोहन गुप्ता, जगदीश नारंग, सुदर्शन देव, राजकुमार शर्मा, राम रूप शर्मा, लक्ष्मीचंद, कपिल का भी विशेष सहयोग रहा। साहित्य स्टॉल की स्थापना एवं संचालन के लिए करनाल (हरियाणा) से सर्वश्री सतीश गौतम, बलबीर सिंह, महेंद्र सिंह एवं संदीप गौतम व उनके सहयोगी सेवारत हैं।

## शासकीय अस्पताल में नियमित भोजन सेवा

गायत्री परिवार की सेवाओं का लाभ उठाते परिजन

**आष्टा, सीहोर। मध्य प्रदेश**
गायत्री शक्तिपीठ आष्टा द्वारा विगत बसंत पर्व से शासकीय सिविल अस्पताल में जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन सेवाएँ प्रारंभ की गई हैं। प्रतिदिन गर्भवती बहिनों, विभिन्न रोगियों, बेसहारा लोगों एवं वृद्धजनों सहित सैकड़ों लोगों को पौष्टिक आहार प्रदान किया जा रहा है। अस्पताल में दूर-दराज से आए मरीजों और उनके परिचारकों को गायत्री परिवार की इन सेवाओं का बहुत लाभ मिल रहा है। इस सेवाकार्य से पूरे क्षेत्र में गायत्री परिवार की एक अलग ही पहचान बन रही है।

## सार्वजनिक स्वच्छता अभियान में जुटी तरुणाई

चिन्ना मैसम्मा झील की सफाई से एकत्रित कचरे के साथ सेवाभावी युवा

**हैदराबाद। तेलंगाना**
24 अप्रैल को सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाकर हैदराबाद की चिन्ना मैसम्मा झील की सफाई की गई। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कार्यकर्त्ताओं और कुछ अन्य संगठनों के साथ इस स्वच्छता अभियान में 'दिया' हैदराबाद के कार्यकर्त्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। सभी ने दो घण्टे के समयदान में 28-30 बोरी कचरा इकट्ठा किया।

## बंदियों में सम्मानित की उमंग जगाई, आत्मोत्थान की राह दिखाई

**जहानाबाद। बिहार**
प्रज्ञा युवा प्रकोष्ठ जहानाबाद ने अपने वृक्षारोपण के नियमित अभियान के 46 वें रविवार के दिन वृक्षारोपण के साथ कारा मण्डल जहानाबाद में बंदियों के नैतिक उत्थान एवं मानसिक शान्ति के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। गायत्री परिवार के कुमार श्रीकांत, रंगेश कुमार आदि ने बंदियों को एकान्त के इस जीवन को सकारात्मक चिन्तन के साथ बिताने, अपने स्वभाव-संस्कार की समीक्षा कर सुधारने की साधना करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि गायत्री उपासना और युग

ऋषि का साहित्य इस दिशा में उनका भरपूर सहयोग करते हुए जीवन का कायाकल्प कर सकता है। गायत्री मंत्र जप के वैज्ञानिक लाभ और प्रभावों को जानकर बंदियों की आँखों में चमक दिखाई दी।

जेलर श्री जितेंद्र गुप्ता ने गायत्री परिवार के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए बंदियों से मंत्र लेखन, मंत्र जप, स्वाध्याय, सत्संग जैसे कार्यक्रमों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपकी नई सोच आपके जीवन को नई दिशा दे सकती है।

गायत्री परिवार के द्वारा मंडल कारा में सदग्रंथ की स्थापना भी की गई। काराधीक्षक उदय कुमार ने ऐसे कार्यक्रम को नियमित करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के तत्पश्चात् बृहद पैमाने पर पौधरोपण किया गया।

## जिला कारागार में तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन

कारागार में आयोजित दीपयज्ञ में भाग लेते बन्दीगण

**सहारनपुर। उत्तर प्रदेश**
गायत्री परिवार सहारनपुर द्वारा जिला कारागार सहारनपुर के अनुरोध पर 2 से 4 अप्रैल की तिथियों में योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संचालन के लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय शान्तिकुञ्ज से योग के प्रोफेसर डॉ. राकेश वर्मा और उनके सहयोगी श्री रवि प्रकाश पांडे पहुँचे थे। तीन दिवसीय शिविर में बंदियों को योगाभ्यास कराया गया, योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक विकारों का शमनकर जीवन में चुस्ती-फुर्ती बनाए रखने के सूत्र बताए गए। बंधुओं को सुख-शांति और शालीनता के साथ जीवन व्यतीत करने के सूत्र भी बताए गए। समर्पित युवा कार्यकर्त्ता श्री मुंजी सिंह ने बताया कि इस शिविर से जेल प्रशासन बहुत प्रसन्न हुआ। समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह उनके द्वारा किया गया।

शिविर के आयोजन में वरिष्ठ कारागार अधीक्षक श्रीमती अमिता दुबे, डिप्टी जेलर श्री अभय शुक्ला, डिप्टी जेलर श्री रंजीत सिंह एवं हेड वॉर्डर श्री जयपाल सिंह का विशेष सहयोग रहा। सभी बंदियों ने शिविर का लाभ लिया। गायत्री परिवार की ओर से सर्वश्री सुशील त्यागी, राम कुमार सिंह, रामपाल सिंह, मुकेश गुप्ता, अशोक कुमार ने विशेष सहयोग किया।

**अपने पूर्व विद्यालय की सेवा में समर्पित गणमान्य**

## श्रीमती विभा अग्रवाल ने 1000 विद्यार्थियों में युगसाहित्य बाँटा।

**जयपुर। राजस्थान**
जयपुर और आसपास के क्षेत्रों में नारी स्वावलम्बन के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे चेतना ग्राम संस्थान की अध्यक्षा श्रीमती विभा अग्रवाल ने दिनांक 12 अप्रैल 2022 को श्री मोतीलाल नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स में गायत्री यज्ञ का आयोजन किया। इसके माध्यम से स्कूल के सभी 1000 विद्यार्थियों को परम पूज्य गुरुदेव की लिखी 6-6 पुस्तकों का सेट और गायत्री मंत्र का उपवस्त्र भेंट किया गया। यह विद्यालय सोनीपत और दिल्ली के बीच में राई नामक स्थान पर स्थित है।

श्रीमती विभा अग्रवाल मिशन के भामाशाह माने जाने वाले श्री वीरेन्द्र अग्रवाल जी की बहू हैं। वे श्री मोतीलाल नेहरू स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स की छात्रा रही हैं। वे अपने विद्यालय में स्विमिंग में पारंगत थीं तथा हरियाणा स्टेट की चैंपियन रही हैं।

### प्राचार्य ने विद्यालय की सेवा के लिए कर्नल पद से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति ली।

अपने स्कूल के बच्चों के उत्कर्ष के भाव से ही उन्होंने गायत्री यज्ञ का आयोजन किया। श्रीमती विभा अग्रवाल और डॉ मीनाक्षी बघेल ने यज्ञ सम्पन्न कराया। हर विद्यार्थी को युगसाहित्य सेट देने के साथ विद्यालय के पुस्तकालय के लिए भी 600 पुस्तकें भेंट की गईं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक जी भी इसी विद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। वे भी भारतीय सेना में कर्नल के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर अपने विद्यालय में पढ़ने वाले हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा-दीप बने हुए हैं। उन्होंने प्रत्येक वर्ष चेतना ग्राम संस्थान से जुड़े 6 ग्रामीण बच्चों को एडमिशन देने का संकल्प लिया है।

## शक्तिपीठ पर सेवा के नए प्रकल्प का शुभारंभ

**मंदसौर। मध्य प्रदेश**
रामनवमी से गायत्री शक्तिपीठ मंदसौर पर ब्लड प्रेशर की जाँच, ईसीजी, इन्जेक्शन और सलाइन लगाने, ड्रेसिंग करने जैसी सुविधाएँ आरम्भ की गई हैं। नवरात्र साधना पूर्णाहुति के समय इनका शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर विख्यात् गणमान्य डॉ. तुषार सिंह झाला, डॉ. रविंद्र पांडे, डॉ. देवेंद्र पौराणिक, पूर्व सीएमओ हरिशंकर शर्मा, सेवा भारती के श्री कन्हैयालाल सोनगरा, श्री राजेंद्र जी, डॉ. अनिल प्रजापति, जितेंद्र गहलोत आदि उपस्थित थे।

# प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में युगऋषि के वाङ्मय की स्थापना

### आई.ए.एस. कोचिंग सेण्टर

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश**

गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत रेस आई.ए.एस. कोचिंग आलमबाग, लखनऊ में युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित वाङ्मय के समस्त 79 खण्डों की स्थापना की गई। यह साहित्य गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट की सक्रिय सदस्य श्रीमती मधु अग्रवाल ने भेंट किया। 300 छात्र-छात्राओं को एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को इस साहित्य का लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि साहित्य मानवीय मूल्य एवं व्यावसायिक नैतिकता की शिक्षा प्रदान करता है।

वाङ्मय खण्ड हाथ में लिए रेस आई.ए.एस. कोचिंग आलमबाग के शिक्षक-विद्यार्थी

### जीसीआरजी इण्टरनेशनल स्कूल

इसी प्रकार जी.सी.आर.जी. इण्टरनेशनल स्कूल चन्द्रिका देवी रोड, बी.के.टी. लखनऊ के केन्द्रीय पुस्तकालय में भी गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर द्वारा युगऋषि के संपूर्ण वाङ्मय की स्थापना की गई। यह साहित्य गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट, गायत्री मंदिर इंदिरा नगर से जुड़े सक्रिय कार्यकर्त्ता श्री जितेंद्र सिंह ने भेंट किया है। प्रधानाचार्य श्रीमती भावना सिंह ने ज्ञानयज्ञ के लिए आभार व्यक्त किया।

दोनों ही स्थापनाओं के समय उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को अखंड ज्योति पत्रिका भेंट की गई। अभियान संयोजक श्री उमानंद शर्मा एवं डॉ. नरेंद्र देव ने युगऋषि के साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

## आई.टी. क्षेत्र से जुड़े युवाओं की शानदार पहल

# मंदिर और मॉल्स में लगा रहे हैं पुस्तक प्रदर्शनी

बैंगलुरु में विचार क्रान्ति अभियान से जुड़े अग्रदूत युवा

**बैंगलुरु। कर्नाटक :** बैंगलुरु में मिशन के प्रति युवाओं के एक बड़े वर्ग ने युग निर्माणी विचारधारा को समाज तक पहुँचाने के लिए मंदिर और मॉल्स में पुस्तक प्रदर्शनी लगाने का मार्ग चुना है। ये युवक-युवतियाँ अपनी शनिवार-रविवार की छुट्टियों को युगऋषि के लिए समर्पित कर लोगों के जीवन में प्रेरणा-प्रकाश फैलाने का पुनीत कार्य कर रहे हैं।

मिशन के लिए समर्पित ये सभी युवा बैंगलुरू की विभिन्न आईटी कंपनियों में काम करते हैं। कुछ लोग प्रत्येक शनिवार और रविवार को तो कुछ बारी-बारी से अपना समयदान कर विचार क्रान्ति के इस अभियान को उल्लेखनीय गति दे रहे हैं। इनॉर्बिट मॉल, फोरम मॉल, यशवंतपुर के मॉल में पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जाती हैं। बुडिगैरे महात्मा मंदिर, चिक्का तिरुपति, घाटी सुब्रमण्यम, अंजना सोनी रामनगर, गुंजूर शनि महात्मा टेंपल इत्यादि में भी साहित्य प्रदर्शनियाँ लगती हैं। इनमें पर्याप्त मात्रा में कन्नड़, अंग्रेजी, हिन्दी युग साहित्य रखा जाता है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोग इस साहित्य का लाभ लेते हैं।

विचार क्रान्ति के इस अभियान में सर्वश्री राजेश सेन, विवेक काण्डपाल, अवनीत कुमार पांडे, हेमेंद्र साहू, सचिन गोयल, नेहा गोयल, राजीव नाडिक, माधुरी नाडिक, अंकित जोशी, जानकी जोशी, अमित कुमार, पप्पू प्रकाश, सनातन पांडे, देव स्वरूप, आलोक गायकवाड, परितोष जोशी, श्रीशैल रेड्डी, गायत्री दीदी, गायत्री गोयल, दिलीप गोयल, मनोज चौरसिया, ऋतु चौरसिया, गार्गी, भावना मिश्रा, नमन, कमलेश खरे, प्रेम कांत, शोभा कांत, नीरज त्रिपाठी, अशोक कुमार, अंकित खरे, वेंकटेश्वर जी का परिवार, चंदा, अतुल नाडिक, नरोत्तम जी, राकेश श्रीवास्तव, देविका, नीलू दास, अंकिता खरे, सुधाकान्त और रूपा पाड़े आदि का प्रमुख योगदान है।

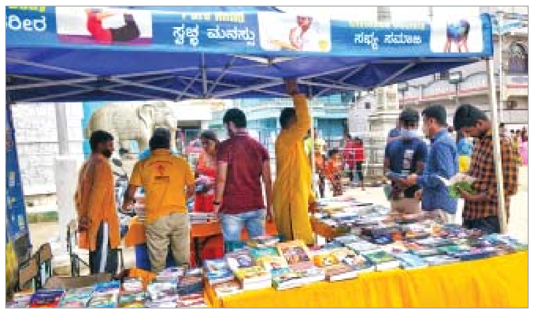

मंदिर के बाहर लगा युग साहित्य का स्टॉल

# सद्वाक्यों से सज रहा है राँची शहर

**राँची। झारखंड**

गायत्री शक्तिपीठ धुर्वा, राँची द्वारा नगर में ऑयल पेंट से सद्वाक्य के लेखन का अभियान पूरे जोश और उत्साह के साथ चलाया जा रहा है। अभिनव प्रयासों के अंतर्गत राँची शहर के हृदय स्थल हरमू मैदान के अंदर और बाहर की दीवारों पर सद्वाक्य लिखे गए। 73 सार्वजनिक स्थानों पर सद्वाक्य लिखे गए हैं, जिनमें नवयुग का संविधान कहे जाने वाले 18 सूत्र भी शामिल हैं।

श्री दीपक दयाल प्रसाद ने बताया कि राँची जिले में अब तक 50 गाँव-मोहल्लों में कुल 1721 वाक्य लिखे जा चुके हैं। केंद्रीय जेल राँची, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, बीएमपी मैदान, कडरू मैदान, 13 मंदिर, 12 विद्यालय और 20 गली-मोहल्लों में दीवार लेखन किया गया है।

राँची शहर की बोलती दीवारें

## नारी सशक्तीकरण का विशिष्ट प्रयोग

# कोरोना काल में सेवाओं के लिए सम्मान

**पुणे। महाराष्ट्र**

पुणे शाखा द्वारा संचालित प्रज्ञा बाल संस्कार केंद्र मुंढ़वा ने नारी सशक्तीकरण वर्ष को ध्यान में रखते हुए चैत्र नवरात्रि के अवसर पर नारी सम्मान का विशेष प्रयोग किया। जिन महिलाओं ने स्वयं या अपने पति के साथ मिलकर कोरोना महामारी के समय लोगों की उल्लेखनीय सेवा की थी, उन्हें माँ दुर्गा का अंश मानकर सम्मानित किया गया। इस क्रम में नर्स का कार्य करने वाली सौ. मनीषा गायकवाड, कोविड-19 में सेवाएँ दे रहे पति का सहयोग करने वाली सौ. पूनम परदेशी, लोग भूखे न रहें इसके लिए आटा चक्की चलाने वाले पति का सहयोग करने वाली सौ. सारिका तांबे, दवा की दुकान चलाने वाले पति का उत्साह वर्धन करने वाली वनिता जायभाय तथा इसी प्रकार कोरोना पीड़ितों की प्रत्यक्ष या परोक्ष सेवाएँ प्रदान करने वाली सौ. पाल, सुमन कौढ़े, सुमन हजारे, योगिता परदेशी को गायत्री परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। सौ. अलकनंदा, सौ. साधना गायकवाड़, सौ. श्री मंगल मामी ने सम्मानित हो रही सभी बहनों पर पुष्प वर्षा की और वेद मंत्रों के साथ आशीर्वाद दिया।

पुणे में गायत्री परिवार द्वारा सम्मानित बहिनें

# प्रतिभा परिष्कार आवासीय प्रशिक्षण शिविर

**जबलपुर। मध्य प्रदेश**

गायत्री शक्तिपीठ मनमोहन नगर में युवाओं के लाभार्थ पाँच दिवसीय कर्मकांड एवं प्रतिभा परिष्कार आवासीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविरार्थियों को उनके जीवन लक्ष्य का बोध कराने के साथ उपासना, साधना एवं संक्षिप्त पौरोहित्य का प्रशिक्षण भी दिया गया। श्री नारायण दुबे, श्री प्रेम शंकर तिवारी द्वारा कर्मकांड एवं वैदिक परंपरा की जानकारी प्रदान की गई। श्री के. मिश्रा ने प्रतिभा परिष्कार के महत्त्वपूर्ण सूत्र और रवि चौकसे ने युग साहित्य में निहित वर्तमान जीवन की समस्याओं के समाधान की जानकारी प्रदान की। श्रीमती दीप्ति मिश्रा ने संगीत का प्रशिक्षण दिया और श्रीमती कविता तिवारी ने ध्यान के द्वारा स्मरण शक्ति बढ़ाने के प्रयोग बताए। श्री प्रमोद राय ने सभी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप साहित्य प्रदान किया।

# पृथ्वी दिवस पर विद्यार्थियों में संवेदना उकेरी

**राजनांदगाँव छत्तीसगढ़**

गायत्री विद्यापीठ राजनांदगाँव के विद्यार्थियों ने पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल 2022) मनाते हुए विद्यालय के आसपास के क्षेत्रों में और वात्सल्य निकेतन में जाकर भीषण गर्मी की त्रासदी झेल रहे पशुओं को अपने हाथों से चारा खिलाया, पानी पिलाया। कई विद्यार्थी अपने घरों से रोटी, अनाज लाए थे, जिसे उन्होंने शिक्षकों के मार्गदर्शन में पशु-पक्षियों को खिलाया। प्राचार्य श्रीमती वत्सला अय्यर ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में इस प्रकार की सेवा भावना विकसित करना भी हमारे विद्यालय का उद्देश्य है।

पृथ्वी दिवस की सार्थकता को सिद्ध करते हुए विद्यालय में श्लोगन लेखन एवं जल संरक्षण पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, व्याख्याता उषा झा तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

# सेमीनार : आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी

**कथारा, बोकारो। झारखंड**

गोमिया प्रखंड के ससबेड़ा पश्चिमी पंचायत भवन में 16 अप्रैल 2022 को एक सेमीनार 'आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी' आयोजित हुई। श्री बी.पी. अग्रवाल ने इसकी अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्तमान समय में सारी दुनिया युद्ध और आतंक जैसी परिस्थितियों के कारण विनाश और विभीषिकाओं का सामना कर रही है। ऐसे में अब समाज को नए विचारों से युक्त नई पीढ़ी की आवश्यकता है, जो अपनी उदात्त परम्पराओं के अनुरूप सबके हितों की रक्षा कर सके। उन्होंने ऐसी पीढ़ी के निर्माण के लिए गायत्री परिवार की पहल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि संस्कारवान पीढ़ी के निर्माण के लिए अभिभावकों को गर्भकाल से ही जागरूक होना होगा।

> **समाज को नए विचारों से युक्त नई पीढ़ी की आवश्यकता है।**
> – श्री बी.पी. अग्रवाल

जैसे विचार और संस्कार हम अपने बच्चों में चाहते हैं, उन्हें सबसे पहले अपने जीवन में अपनाना होगा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गिरिडीह जिले की कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमती पूनम वर्णवाल थीं। उन्होंने आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी अभियान की विस्तृत जानकारी दी। इस सेमिनार में गोमिया प्रखंड की सैकड़ों बहिनों ने भाग लिया। बोकारो युवा प्रकोष्ठ के संयोजक श्री धनेश्वर महतो, श्री डालेश्वर, मंजू वर्णवाल, गीता देवी, पुष्पा देवी, द्रौपदी देवी, गंगा देवी, किरण देवी आदि मुख्य रूप से सक्रिय रहे।

# दिवंगत देवात्मा को भावभरी श्रद्धाञ्जलि

**श्री सुरेश चंद्र गुप्ता, गुना। मध्य प्रदेश**

गायत्री शक्तिपीठ गुना के व्यवस्थापक श्री सुरेश चंद्र गुप्ता का 5 मार्च 2022 को निधन हो गया। उन्होंने मिशन की 40 वर्षों तक सेवा की। शक्तिपीठ निर्माण और उसके संचालन में उल्लेखनीय योगदान दिया। स्वर्गीय श्री गुप्ता जी ने शासकीय स्वास्थ्य विभाग में सेनेटरी इंस्पेक्टर के रूप में सेवाएँ प्रदान की थीं।

# राजभवन में वाङ्मय स्थापना

**राँची। झारखंड :** 14 अप्रैल को गायत्री शक्तिपीठ धुर्वा, राँची की ओर से राजभवन में परम पूज्य गुरुदेव द्वारा रचित वाङ्मय एवं संपूर्ण वेदों की स्थापना की गई। साहित्य स्थापना के लिए शक्तिपीठ की ओर से श्री जटाशंकर झा, श्रीमती मंजू शर्मा, श्री गोपाल कृष्ण शर्मा, श्री राजीव कुमार, लक्ष्मण जी, श्री मुकेश कुमार मिश्रा पहुँचे थे। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री रमेश बैस से परिजनों की लगभग आधे घंटे तक वार्ता हुई।

राज्यपाल श्री रमेश बैस को युगऋषि का वाङ्मय भेंट करते परिजन

माननीय राज्यपाल महोदय ने परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माता जी का सानिध्य प्राप्त करने के अनुभव सुनाए। उन्होंने गायत्री शक्तिपीठ आने का आश्वासन भी दिया।



सुन्दर महिला रत्न है तो गुणी महिला खजाना। - शेखसादी

# बड़ी लोकप्रिय हो रही है सूक्ष्म यज्ञों की परम्परा

## दुर्ग एवं बालोद जिलों में लगभग हर दिन सामूहिक यज्ञ-प्रशिक्षण

**दुर्ग। छत्तीसगढ़**
युग निर्माण आंदोलन के लिए जी-जान से समर्पित दम्पति श्री प्राणेश विश्वास एवं श्रीमती मीनाक्षी विश्वास ने 1 फरवरी 2022 से अपने क्षेत्र में सूक्ष्म यज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शृंखला आरंभ की है, जो बेहद लोकप्रिय हो रही है। समाचार लिखे जाने तक पिछले ढाई महीने में उनके द्वारा लगभग हर दिन विविध ग्राम-नगर में सामूहिक सूक्ष्म यज्ञ प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। दुर्ग, बालोद, कबीरधाम जिलों में ऐसे अनेक कार्यक्रम हुए, जिनमें अब तक लगभग 4000 भाई, बहिन और बच्चे (प्रत्येक वेदी पर एक) सूक्ष्म यज्ञ कर चुके हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों ने दैनिक या साप्ताहिक यज्ञ का कार्यक्रम अपना लिया है।

श्री प्राणेश विश्वास ने बताया कि सूक्ष्म यज्ञ प्रशिक्षण शिविरों में न केवल क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है, बल्कि यज्ञ विज्ञान को अच्छी तरह समझाया जाता है, ताकि उसके लाभ जानकर लोग पूरी श्रद्धा और मनोभाव के साथ यज्ञ परंपरा से जुड़ सकें। उनके द्वारा यज्ञ अभियान से जुड़ने के इच्छुक लोगों को सूक्ष्म यज्ञ के किट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। याजकों से गर्भ संस्कार, वृक्षारोपण जैसे रचनात्मक आंदोलनों को गति देने का आह्वान किया जाता है और संकल्प दिलाए जाते हैं।

**अश्वमेध यज्ञ, मुंबई**
(23 जनवरी से 28 जनवरी 2024)
के प्रयाज के क्रम में भी सूक्ष्म यज्ञ का जोर शोर से विस्तार किया जा रहा है। श्री प्राणेश एवं श्रीमती मीनाक्षी विश्वास ने मुंबई जाकर सूक्ष्म यज्ञ के कई सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न कराए हैं।

सूक्ष्म यज्ञों का प्रशिक्षण लेते श्रद्धालु भाई-बहिन

## नवरात्र के 9 दिनों में 714 लोगों ने सूक्ष्म यज्ञ का प्रशिक्षण लिया

**लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश**
चैत्र नवरात्र संवत् 2079 में युवा प्रकोष्ठ लखीमपुर खीरी ने 'गृहे-गृहे यज्ञ-गायत्री उपासना' अभियान के अन्तर्गत सुगम सूक्ष्म यज्ञों का प्रचलन बढ़ाने के लिए एक अनुष्ठान की भाँति इनके प्रशिक्षण की शृंखला चलाई। नगर और ग्राम दोनों ही क्षेत्रों में प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर प्रशिक्षण के अत्यंत आकर्षक और व्यवस्थित कार्यक्रम हुए। युवा प्रकोष्ठ समन्वयक श्री अनुराग मौर्य ने बताया नवरात्र काल में जिले के विभिन्न 10 स्थानों पर सामूहिक सूक्ष्म यज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए, जिनमें 714 लोगों ने प्रशिक्षण लिया। शृंखला का समापन खीरी लखीमपुर के मोहल्ला श्रीरामनगर कॉलोनी बरखेरवा में आयोजित 51 वेदीय सूक्ष्म यज्ञ व सामूहिक कन्यापूजन कार्यक्रम के साथ हुआ। समस्त अभियान में युवा प्रकोष्ठ के शैलेश बरनवाल, यज्ञदेव वर्मा, शुभम गुप्ता, प्रिंस रंजन बरनवाल, कुलदीप वर्मा, महिला मंडल की अनुराधा मौर्य, संगीता कुमारी आदि की विशेष भूमिका रही।

सूक्ष्म यज्ञ में अपने घरों में गाय के गोबर से निर्मित दिये की सहायता से स्वयं यज्ञ करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह विधि जहाँ दैनिक यज्ञ करने में सुगम है, वहीं स्वावलंबन व गोवंश संरक्षण को भी प्रोत्साहित करती है।

## अलवर में प्रथम प्रयोग

**अलवर। राजस्थान**
गायत्री शक्तिपीठ करौली कुंड अलवर द्वारा 24 अप्रैल 2022 को सामूहिक सुगम यज्ञ का आयोजन किया गया। यह लोगों को दैनिक अथवा साप्ताहिक यज्ञ करने की प्रेरणा और प्रशिक्षण देने का विशिष्ट प्रयोग था। 108 कुण्डीय यज्ञ में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। अभी तक गायत्री परिवार से नहीं जुड़े लोग भी इसमें शामिल हुए। सभी ने यज्ञ आहुतियों के साथ विश्व शांति, सद्भाव और सबके कल्याण की, उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की।

अलवर जिले में आयोजित अपनी तरह के प्रथम कार्यक्रम का संचालन श्री सतीश सारस्वत, श्री मुरारी लाल शर्मा, श्री दौलत राम शर्मा और श्री महेंद्र सिंह नरूका की टोली ने किया। इस अवसर पर मुख्य ट्रस्टी श्री राजेंद्र प्रसाद सेठी सहित गायत्री परिवार के अनेक गणमान्य उपस्थित थे। श्री अमित वशिष्ट और उनके युवा साथियों ने ऐसे सामूहिक प्रयोगों को जन आंदोलन का रूप देने के उत्साह के साथ भागीदारी की।

## गायत्री परिवार द्वारा विद्यालयों में योग कार्यशालाओं का आयोजन

### 490 छात्राओं ने भाग लिया

**कटनी। मध्य प्रदेश**
जनजातियों के लिए समर्पित पूर्णतया आवासीय विद्यालय शा. कन्या शिक्षा परिषद, कटनी में दो दिवसीय योग कार्यशाला संपन्न हुई। देसंविवि. से योग स्नातक श्री लव सिंह चौहान और उनके साथियों ने इसका संचालन किया। इसमें कक्षा 6 से 9 तक के लगभग 490 छात्राओं ने भाग लिया। उन्हें शारीरिक चुस्ती-फुर्ती के साथ विभिन्न तरह की परेशानियों के समाधान के लिए किए जाने वाले आसनों की जानकारी भी दी गई।

यह शिक्षक-विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण शिविर भी था। दूसरे दिन सभी शिक्षक, प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने सीखे गए आसनों का प्रदर्शन भी किया।

कटनी के योग शिविर में योगाभ्यास करती छात्राएँ

**जुहू, मुंबई। महाराष्ट्र**
23 अप्रैल 2022 को उपनगर शिक्षण मंडल एवं ब्रजलाल पारेख विद्यानिधि मराठी मीडियम स्कूल में 'दिया' मुंबई को प्रज्ञायोग कार्यशाला के आयोजन के लिए आमंत्रित किया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया। विजय पटले, शुचिता शेट्टी, ओम प्रकाश सेन, गायत्री नायक, अमित चावरे, अभिनाश भटकट और संगीता तिवारी की टीम ने कार्यशाला का संचालन किया। उन्होंने जीवन को उत्कृष्ट बनाने हेतु सूत्र भी बताए।

विद्यालय की प्राचार्य सुश्री नीलम प्रभु ने कहा कि बच्चों के साथ अभिभावक और शिक्षकों के योग करने से बच्चों में परस्पर विश्वास बढ़ेगा। गायत्री परिवार ने सभी प्रतिभागियों को 'योग चिकित्सा संदर्शिका' एवं अन्य साहित्य वितरित किया।

### दीपयज्ञ के संग मना डॉ. अशोक श्रीवास्तव का जन्मदिवस

## अभिभूत हो गए 100 चिकित्सक दम्पती

दीपयज्ञ के संग जन्मदिन मनाते डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव एवं उपस्थित चिकित्सक दम्पती

**देहरादून। उत्तराखंड**
जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर (उत्तर प्रदेश) के सन् 1980 के बैच के चिकित्सकों ने 22 अप्रैल 2022 के दिन देहरादून में मिलन समारोह आयोजित किया। संयोगवश उस दिन उसी बैच के डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव का जन्मदिन था। इसी बैच के कानपुर निवासी युग निर्माण आंदोलन के प्रति अनन्य भाव से समर्पित कार्यकर्त्ता एवं वरिष्ठ हड्डी रोग चिकित्सक डॉ. अमरनाथ सारस्वत के प्रयासों से डॉ. श्रीवास्तव का जन्मदिन भारतीय परम्पराओं के अनुरूप दीपयज्ञ के संग मनाया गया। इस बैच के लगभग 55-60 चिकित्सक परिवार कार्यक्रम में शामिल हुए। अधिकांश के जीवन साथी भी चिकित्सक ही थे। अतः देशव्यापी लगभग 100 चिकित्सकों सहित 120 लोगों को परम पूज्य गुरुदेव एवं शान्तिकुञ्ज की विचारधारा को जानने-समझने का अवसर मिला।

शान्तिकुञ्ज से कार्यक्रम संपन्न कराने प्रो. प्रमोद भटनागर की टोली पहुँची थी।

> 61 वर्ष की उम्र में मैंने आज तक ऐसा मार्मिक व प्रेरणादायी जन्मदिवस कभी नहीं मनाया।
> –डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव

टोली ने गीत और युग संदेश के माध्यम से मानव जीवन की गरिमा समझाई, परम पूज्य गुरुदेव, युग निर्माण योजना और शान्तिकुञ्ज का परिचय दिया। प्रो. भटनागर ने कहा कि युगऋषि के दृष्टिकोण के साथ जब व्यक्ति सेवाधर्म का पालन करता है तो उसका जीवन अलौकिक अनुदानों से भर जाता है। उन्होंने उपस्थित महानुभावों से शान्तिकुञ्ज द्वारा लोकमंगल के लिए चलाई जा रही गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। शान्तिकुञ्ज का संदेश सुनकर सभी अभिभूत थे।

अगले दिनों कई चिकित्सक परिवार शान्तिकुञ्ज दर्शन के लिए आए।

प्रमुख रूप से डॉ. अशोक कुमार जाटव, डॉ. मनोज शर्मा देहरादून से, डॉ. प्रतिभा दिल्ली से, डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. अनजान चक्रवर्ती चेन्नई से, डॉ. जयप्रकाश उत्तम कानपुर से इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुँचे थे।

## जम्मू क्षेत्र में 24 कुण्डीय यज्ञों की शृंखला

इस वर्ष की गायत्री यज्ञ शृंखला में जम्मू और उसके आसपास के जिलों में भी 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित हुए। गायत्री परिवार ट्रस्ट जम्मू द्वारा आयोजित किए गए इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश में हजारों नए लोगों तक परम पूज्य गुरुदेव का संदेश पहुँचा। श्री राकेश कुमार जी ने बताया कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को धर्म के सबके लिए कल्याणकारी यथार्थ रूप को पहुँचाते हुए क्षेत्र में सद्भाव बढ़ाने में बहुत सहयोग मिला है, विज्ञानसम्मत अध्यात्म के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है।

जम्मू क्षेत्र में देव संस्कृति विस्तार के लिए समर्पित युगसृजेताओं की टोली

यह कार्यक्रम 1 से 4 अप्रैल अतिथियों में सांबा जिले के तरेरा में, 5 से 8 अप्रैल की तिथियों में राजौरी जिले के सुंदरबनी में, 9 से 12 अप्रैल की तिथियों में जम्मू जिले के अखनूर में तथा 13 से 16 अप्रैल तक उधमपुर में 24-24 कुंडीय गायत्री महायज्ञों के रूप में आयोजित हुए। शान्तिकुञ्ज से श्री सुरेंद्र कुमार वर्मा की टोली इन्हें सम्पन्न कराने पहुँची थी।

## सरस्वती गायत्री परीक्षा महायज्ञ

**जयपुर। राजस्थान**
टैगोर भारती सी.सै.स्कूल प्रतापनगर में विद्यार्थियों की विचारधारा में आध्यात्मिकता का समावेश कर परीक्षा में उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए गायत्री परीक्षा महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले पहली से ग्यारहवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री परिवार के श्री बिजेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। उन्होंने बच्चों को भारतीय संस्कृति की उत्कृष्टता का परिचय दिया, बुराई छोड़ने व अच्छाई ग्रहण करने के संकल्प भी कराए।

## उत्सव-2022 : देव संस्कृति विश्वविद्यालय का 20वाँ वार्षिकोत्सव

# विद्यार्थियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ाने के प्रयास

दिनांक 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2022 की तारीखों में देव संस्कृति विश्वविद्यालय का 20वाँ वार्षिकोत्सव 'उत्सव-2022' सम्पन्न हुआ। तीन दिवसीय खेल समारोह में कुल 45 प्रकार की इंडोर एवं आउटडोर खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ हुईं। उत्सव-2022 का शुभारम्भ करते हुए कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने सभी प्रतिभागियों को अनुशासन का संकल्प दिलाया और मर्यादाओं का बोध कराया। उन्होंने अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि सभी खिलाड़ी जीतने के लिए अथक प्रयास करें, लेकिन हारने वाले का हौसला बढ़ाने में भी पीछे न रहें। खेल प्रतियोगिताएँ अपनी शारीरिक एवं वैचारिक क्षमताओं के परिष्कार-अभिवर्धन का माध्यम है। महत्त्व जीत-हार का नहीं, उसके माध्यम से जीवन में उमंग और उत्साह का कितना संचार होता है यह महत्त्वपूर्ण है।

दिनांक 16 अप्रैल को देसंविवि के आर.एण्ड डी. मैदान में ध्वजारोहण के साथ उत्सव-2022 का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम कुलाधिपति एकादश और छात्र एकादश के बीच क्रिकेट मैच हुआ। इसमें प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय जी ने सर्वोत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में खेल अधिकारी श्री नरेन्द्र सिंह व श्रीमती श्रुति मनीष ओडुकले के मार्गदर्शन में कुल 45 खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, रस्साकशी, टेबल टेनिस, दौड़ आदि खेल हुए। डॉ. शिवनारायण प्रसाद के मार्गदर्शन में शास्त्रीय गायन, ढपली वादन, नृत्य, लघु नाटिका, तबला वादन, गिटार वादन, हारमोनिम वादन, प्रज्ञागीत, अंताक्षरी जैसी प्रतियोगिताओं से छात्र-छात्राओं ने बहुत सीखा और आनन्द लिया।

विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते डॉ. चिन्मय जी, प्रतिकुलपति

> खेल प्रतियोगिताएँ अपनी शारीरिक एवं वैचारिक क्षमताओं के परिष्कार-अभिवर्धन का माध्यम है।
> – श्रद्धेय कुलाधिपति जी

अंतिम दिन कुलपति श्री शरद पारधी, प्रतिकुलपति, कुलसचिव श्री बलदाऊ देवांगन सहित सभी गणमान्यों की उपस्थिति में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

उत्सव-2022 में आयोजित खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ

# 'घर-घर पहुँचे प्रज्ञा योग, देश अपना बने निरोग'

> स्वस्थ तन, निर्मल मन, शुद्ध कर्म और सकारात्मक विचार, यही है योग का आधार है। – **डॉ. चिन्मय पण्ड्या, प्रतिकुलपति, देसंविवि**

हरिद्वार में गंगातट-चौधरी चरण सिंह घाट पर 27 अप्रैल को देव संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में योगोत्सव का आयोजन किया गया, ध्येय वाक्य था-'घर-घर पहुँचे प्रज्ञा योग, देश अपना बने निरोग'। इस वर्ष 2 जून-योग दिवस के योग प्रोटोकॉल के अभ्यास का यह पहला कार्यक्रम था। इसके अंतर्गत भारत की आजादी के अमृत महोत्सव और शान्तिकुञ्ज की स्वर्ण जयन्ती वर्ष का संदेश देने का प्रयास और अभ्यास भी हुआ।

योगोत्सव के मुख्य अतिथि देसंविवि के कुलपति आदरणीय श्री शरद पारधी जी थे। उन्होंने समाज के स्वस्थ और सर्वांगीण विकास के लिए अपनी संस्कृति के विस्तार की प्रेरणा दी। प्रतिकुलपति आदरणीय डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वस्थ तन, निर्मल मन, शुद्ध कर्म और सकारात्मक विचार, यही है योग का आधार।

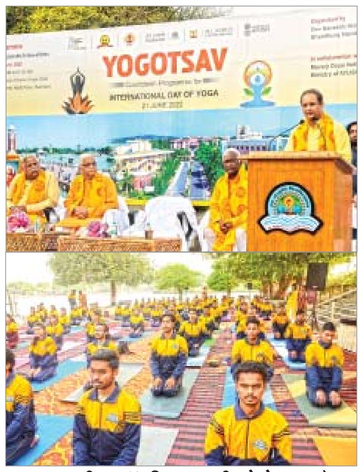

आदरणीय डॉ. चिन्मय जी योगोत्सव में विद्यार्थियों को सम्बोधत करते हुए, साथ में उपस्थित कुलपति एवं कुलसचिव महोदय

आयोजन की अध्यक्षता योग विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरेश बरनवाल ने की।

### देव संस्कृति विश्वविद्यालय में लागू होगा लचीला शैक्षणिक कार्यक्रम

## फ्लेक्सिबल एकेडमिक प्रोग्राम (एफ.ए.पी)

इस वर्ष से भारत सरकार नई शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में फ्लेक्सिबल एकेडमिक प्रोग्राम (एफ.ए.पी.) शुरू करने जा रही है। इसे लागू करने के लिए गठित राष्ट्रीय समिति ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार का भी चयन किया है। एफ.ए.पी. को लागू करने वाले देश के अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थान हैं-देश के सभी भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय औद्योगिक संस्थान (आईआईटी), गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान (प्रयागराज), दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (दिल्ली), इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को नाम शामिल किया है।

> देसंविवि में एफएपी मानविकी यानी ह्यूमैनिटीज और सामाजिक विज्ञान के विषयों में लागू किया जाएगा।

# शान्तिकुञ्ज में आयोजित हुए विशिष्ट शिविर

## मलयालम भाषा में आध्यात्मिक तीर्थ संवाद सत्र

### केरल से आए 250 गायत्री साधकों ने भाग लिया

26 अप्रैल से 1 मई 2022 की तिथियों में शान्तिकुञ्ज में मलयालम भाषी गायत्री उपासकों के लिए विशेष शिविर आयोजित हुआ। इसमें एर्नाकुलम (केरल) में दिसम्बर 2022 में प्रस्तावित गायत्री महायज्ञ के आयोजक स्तर के 250 महानुभावों ने भाग लिया। स्वामी सान्द्रानंद सरस्वती, स्वामी ब्रह्मानंद जी, श्रेष्ठाचार सभा के आचार्य श्री प्रकाश आदि गणमान्यों के अलावा डॉक्टर्स, इंजीनियर, जाने माने संगीतज्ञ, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उद्योगपति आदि गणमान्य शिविर में शामिल हुए।

श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैल जीजी ने भेंटवार्ता के क्रम में अत्यंत आत्मीयतापूर्ण मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि मनोवांछित सफलता के लिए अपने मन को स्थिर कर उसकी शक्तियों को नियोजित करना साधना है।

शिविर का संयोजन दक्षिण भारत प्रकोष्ठ की ओर से श्री उमेश शर्मा ने किया। साधकों को शान्तिकुञ्ज के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने दुभाषिये के सहयोग से सम्बोधित किया। शान्तिकुञ्ज, देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के भ्रमण के अलावा दीक्षा, रुद्राभिषेक, श्राद्ध-तर्पण जैसे संस्कारों में अधिकांश साधकों ने भाग लिया। सम्पूर्ण सत्र एर्नाकुलम में होने जा रहे गायत्री महायज्ञ के प्रयाज को गति देने के लिए आयोजित किया गया था। घर-घर जाकर युगशक्ति गायत्री का आलोक फैलाने के भाव और संकल्पों के साथ सभी साधक विदा हुए।

### गुजरात में हुआ प्रतिभा परिष्कार का प्रशंसनीय प्रयोग

## चुने हुए समयदानियों का वानप्रस्थ शिविर

**आणंद। गुजरात**
आणंद जिला समन्वय समिति ने अपने क्षेत्र में समयदानी कार्यकर्त्ताओं के प्रतिभा परिष्कार के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया। धुवारण, उमरेठ, बोरसद, पेटलावद और करमसद में आयोजित वानप्रस्थ शिविरों में भाग लेने वाले कार्यकर्त्ताओं में से 108 बहिनों और 63 भाइयों की प्रतिभा के निखार के लिए एक विशेष वानप्रस्थ शिविर शान्तिकुञ्ज में आयोजित किया गया। यह शिविर दिनांक 15 से 19 अप्रैल 2022 की तिथियों में सम्पन्न हुआ।

शान्तिकुञ्ज में सभी ने गुरुदीक्षा ली और वानप्रस्थ संस्कार भी कराया। इन समयदानी भाई-बहिनों ने आणंद जिले की शक्तिपीठों, प्रज्ञापीठों को और तमाम प्रज्ञा संस्थानों को गोद लेकर वहाँ मिशन की गतिविधियों का तेजी से विस्तार करने का संकल्प लिया है। परम वंदनीय माता जी की जनशताब्दी सन् 2026 तक आनंद जिले के घर-घर तक गायत्री और यज्ञ को पहुँचा देने के संकल्प उभरे हैं। इस विशेष आयोजन की सफलता में जिला प्रभारी श्री नित्यानंद भाई की प्रमुख भूमिका थी।

### समाचार प्रेषक-पाठकों से विनम्र निवेदन

इन दिनों पूरे देश में गायत्री महायज्ञों की शृंखला चल रही है। पूरे देश में युगशक्ति गायत्री का प्रचण्ड प्रवाह उमड़ रहा है। 24 से लेकर 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञों के विशाल कार्यक्रमों के अनेक समाचार प्रज्ञा अभियान को मिल भी रहे हैं, लेकिन प्रज्ञा अभियान के छोटे-से कलेवर में स्थानाभाव के कारण उनका प्रकाशन नहीं हो पा रहा। आशा है समाचार प्रेषक और पाठक इस विवशता को समझेंगे।

कुछ समाचारों को प्रज्ञा अभियान के ई-संस्करण में शामिल किया जा रहा है, जिसे ई-मेल के माध्यम से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। जिन्हें यह मँगाना हो, वे अपना ई-मेल आई.डी. news@awgp.org पर भेज दें।

**- सम्पादक**

# बेसिक स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन शिविर

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में सात दिवसीय बेसिक स्काउट मास्टर एवं गाइड कैप्टन शिविर आयोजित हुआ। इस शिविर में देसंविवि के बीएड के चालीस छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

28 अप्रैल को शिविर के समापन अवसर पर प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए उदाहरणों के माध्यम से स्काउट एवं गाइड के सेवाभाव को सदैव जीवंत बनाये रखने हेतु आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को गुणवान शिक्षकों की महती आवश्यकता है।

जिला संगठन आयुक्त शान्तिकुञ्ज श्री मंगल सिंह गढ़वाल, छात्र कल्याण अधिकारी श्री संदीप कुमार सहित लीडर ऑफ द कोर्स श्री नरेंद्र सिंह एवं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री आर.एस. नेगी, श्री रेखाड़ी, श्रीमती गायत्री साहू, विवेक सुबुद्धि आदि ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

प्राथमिक चिकित्सा सेवाओं का अभ्यास करती एवं शिविर में भाग लेती गाइड्स


सौ आदमी एक छावनी बनाते हैं, किन्तु एक स्त्री एक घर बना सकती है।

गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता का भागीरथी पुरुषार्थ

# पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ

– श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी, कुलाधिपति, देसंविवि

1 मई 2022 गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता द्वारा हरीतिमा संवर्धन के लिए किए जा रहे भागीरथी पुरुषार्थ का एक महत्त्वपूर्ण दिन था। उनके द्वारा 12 वर्षों से भी अधिक समय से चलाए जा रहे नियमित रविवासरीय अभियान के अन्तर्गत यह 600वाँ वृक्षारोपण सप्ताह था। टीम ने इसे देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रांगण में रुद्राक्ष की पौध लगाकर मनाया। इस ऐतिहासिक पौध का रोपण देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं महाराष्ट्र सरकार में वन मंत्री रहे श्री सुधीर मुनगंटीवार द्वारा प्रथम पूजन के बाद हुआ।

श्री मुनगंटीवार एवं डॉ. चिन्मय जी वृक्षारोपण करते हुए

## एक करोड़ पौधे रोपे

जीपीवायजी कोलकाता के समन्वयक श्री रवि शर्मा ने बताया कि उनकी टीम तो हर रविवार को नियमित रूप से वृक्षारोपण करती ही है, विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत देश के लगभग 300 शहर इस अभियान से जुड़े हैं, जिनके सहयोग से अब तक एक करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं। अब साप्ताहिक स्वच्छता और गरीब कन्याओं की सहायता के लिए 'अपराजिता' अभियान भी चलाया जा रहा है।

मृत्युंजय सभागार के मंच पर पौधों का पूजन करते आदरणीय डॉ. चिन्मय जी, माननीय श्री मुनगंटीवार और श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता का 600वाँ वृक्षारोपण सप्ताह शान्तिकुञ्ज के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के विशेष समारोह के रूप में मनाया। श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने इसकी अध्यक्षता करते हुए कहा कि वृक्ष जीवन का पर्याय है। ग्लोबल वॉर्मिंग जैसी समस्याएँ घटते जंगल और बढ़ते औद्योगीकरण का परिणाम हैं। वृक्ष नहीं रहेंगे तो जीवन भी नहीं रहेगा। जीवन बचाना है तो सघन वृक्षारोपण करना ही होगा।

**पौधों के बीच आकर मन की शांति मिलती है।**
– श्री सुधीर मुनगुंटीवर, पूर्व मंत्री महाराष्ट्र सरकार

समारोह के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री माननीय श्री सुधीर मुनगंटीवार थे। उन्होंने देव संस्कृति विश्वविद्यालय में हरीतिमा संवर्धन के प्रयासों की सराहना की तथा गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता के प्रयासों को अतुलनीय बताया। उन्होंने कहा कि तपती गर्मी के बीच पेड़-पौधों की छाया में जब देसंविवि का भ्रमण किया, तो मन आह्लादित हो गया। जब मन को शांति चाहिए तो पौधों के बीच भी शांति ढूंढ़ी जा सकती है।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या जी ने अतिथि स्वागत एवं परिचय के क्रम में जीवन में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पौराणिक दृष्टांतों के माध्यम से बताया कि हमारे देश में वृक्षों की देवता के रूप में अकारण ही पूजा नहीं होती थी। वृक्ष ही जीवन और पर्यावरण का आधार हैं। वृक्षों के घटने से आज तापमान ही नहीं बढ़ रहा, कुपोषण, सहज औषधियों का अभाव, जीव-जन्तुओं के लुप्त होने से पर्यावरण असंतुलन जैसी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।

सभा के अन्त में अतिथियों ने संस्कृति संदेश, ई-न्यूज लेटर रिनेसा, देवसंस्कृति विवि की विवरणिका आदि का विमोचन किया। मुख्य अतिथि श्री मुनगंटीवार ने कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ. प्रणव जी को राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया, तो वहीं प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय जी ने श्री मुनगंटीवार जी को युगसाहित्य एवं देसंविवि का प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर देसंविवि, शान्तिकुञ्ज परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण के भागीरथी पुरुषार्थ में जुटी कोलकाता की युवा वाहिनी

### माननीय मुख्यमंत्री जी की सद्भावना

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी को इस कार्यक्रम में उपस्थित होना था, लेकिन दिल्ली से लौटते हुए विमान में आई खराबी के कारण वे नहीं पहुँच सके। उन्होंने अपना वीडियो संदेश भेजकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल न होने पर खेद व्यक्त किया और वृक्षारोपण करने वाली पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

**• भारत सरकार व युनेस्को से मिला सम्मान**

गायत्री परिवार यूथ ग्रुप कोलकाता के समन्वयक श्री रवि शर्मा ने बताया कि उनके कार्यों की प्रशंसा भारत सरकार तथा युनेस्को ने भी की है और विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया है।

**• सिंगापुरवासियों का अनुकरण करें**

श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी ने सिंगापुर में वृक्षारोपण से पर्यावरण में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। वहाँ प्रत्येक व्यक्ति वृक्षारोपण करता है, हमें भी उनका अनुसरण करना चाहिए। जहाँ-जहाँ स्थान हो, वहाँ-वहाँ पौधे लगाना चाहिए।

**• पाँच पेड़ लगाओ, डिग्री पाओ।**

डॉ. चिन्मय जी ने बताया कि देव संस्कृति की योजना है 'पाँच पेड़ लगाओ, डिग्री पाओ।' यहाँ के हर विद्यार्थी के लिए डिग्री प्राप्त करने से पूर्व न्यूनतम पाँच पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना अनिवार्य है।

**• बृहद् वृक्षारोपण**

देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के संग जीपीवायजी कोलकाता की टीम ने तुलसी सहित विभिन्न औषधीय एवं छायादार पेड़ों के पौधों का पूजन कर उन्हें विभिन्न स्थानों पर रोपा।

शांतिकुंज उद्यान विभाग की ओर से पाँच सौ अधिक पौधे तरू प्रसाद के रूप में निःशुल्क बाँटे गये।

**प्रवेश प्रारंभ**

**देव संस्कृति विश्वविद्यालय**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रत्यायित एवं आईएसओ 9001 : 2015 एवं 45001 : 2018 द्वारा प्रमाणित

ऑनलाइन आवेदन : www.dsvv.ac.in @dsvvofficial

**परीक्षा केन्द्र** भोपाल (म.प्र) हरिद्वार (उत्तराखण्ड) कोलकाता (प.बंगाल) लखनऊ (उ.प्र) नोएडा (उ.प्र.) नागपुर (महाराष्ट्र) पटना (बिहार) राजनांदगाँव (छ.ग.)

**स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम 3 वर्ष**

**बी.एससी.** गणित (ऑनर्स)
**बी.एससी.** योग विज्ञान (ऑनर्स)
**बी.एससी.** इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी
**बी.वोक.** 3डी एनीमेशन एण्ड वीएफएक्स
**बी.सी.ए.** बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन
**बी.ए.** संस्कृत (ऑनर्स)
**बी.ए.** हिन्दी (ऑनर्स)
**बी.ए.** अंग्रेजी (ऑनर्स)
**बी.ए.** इतिहास (ऑनर्स)
**बी.ए.** मनोविज्ञान (ऑनर्स)
**बी.ए.** संगीत (ऑनर्स)
**बी.बी.ए.** टूरिज्म एण्ड ट्रेव्हल मैनेजमेण्ट
**बी.आर.एस.** बैचलर ऑफ रूरल स्टडीज

**स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम 4 वर्ष**

**बी.ए.** पत्रकारिता एवं जनसंचार

**डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1 वर्ष**

• पी.जी. डिप्लोमा-मानव चेतना, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा (केवल विदेशी छात्रों हेतु)
• पी.जी. डिप्लोमा-धर्म विज्ञान एवं मनोवैज्ञानिक
• पी.जी. डिप्लोमा-गाइडेन्स एण्ड कॉउंसलिंग
• डिप्लोमा- मीडिया ग्राफिक्स एण्ड वीडियो एडिटिंग

**प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 6 माह**

• धर्म विज्ञान
• योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा
• समग्र स्वास्थ्य प्रबन्धन

**स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम 2 वर्ष**

**एम.ए./एम.एससी.** नैदानिक मनोविज्ञान
**एम.ए./एम.एससी.** मानव चेतना एवं योग विज्ञान
**एम.ए./एम.एससी.** योग विज्ञान एवं आयुर्वेद
**एम.ए./एम.एससी.** योग विज्ञान एवं वैकल्पिक चिकित्सा
**एम.एससी.** योग चिकित्सा
**एम.एससी.** एप्लाइड मेडिसिनल एवं एरोमेटिक प्लाण्ट साइंसेज
**एम.सी.ए.** मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन
**एम.बी.ए.** टूरिज्म एण्ड ट्रेव्हल मैनेजमेण्ट
**एम.ए.** शिक्षा
**एम.ए.** पत्रकारिता एवं जनसंचार
**एम.ए.** इतिहास एवं भारतीय संस्कृति
**एम.ए.** संस्कृत
**एम.ए.** हिन्दी
**एम.ए.** संगीत-गायन
**एम.ए.** संगीत-तबला, पखावज
**एम.ए.** दर्शनशास्त्र
**एम.ए.** हिन्दू अध्ययन

**आवेदन फॉर्म हेतु**

• ऑनलाइन आवेदन-http://www.dsvv.ac.in (₹ 1000/-)
• ऑफलाइन आवेदन-**वेबसाइट से आवेदन पत्रक** डाउनलोड करें एवं भरकर डाक द्वारा भेजें (₹ 1000/-) अथवा डाक से DD के द्वारा मंगवाएँ। ड्राफ्ट **देव संस्कृति विश्वविद्यालय** के नाम हरिद्वार में देय होगा। • प्रत्येक आवेदक एक ही पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर सकता है। • प्रवेश प्रक्रिया एवं अन्य विस्तृत जानकारियाँ विश्वविद्यालय की विवरणिका एवं वेबसाइट पर उपलब्ध है।

**कुलसचिव** : **देव संस्कृति विश्वविद्यालय,** गायत्रीकुञ्ज-शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार-249411 (उत्तराखण्ड)
**फोन** : (01334) 261367 (Ext.: 5407, 5524 **वेब** : www.dsvv.ac.in
**ईमेल** : admissions@dsvv.ac.in **मोबाइल** : +91-9258360763, 9258369612, 9720107192

# राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा

26-27 मार्च 2022 की तिथियों में शान्तिकुञ्ज में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सम्बन्धी राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। इसमें पूरे देश में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का क्रियान्वयन करने वाले विविध संगठनों से जुड़े 500 से अधिक कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया।

संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए श्री शिव प्रसाद मिश्रा जी ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा बच्चों तक परम पूज्य गुरुदेव के विचार और भारतीय संस्कृति के ज्ञान -विज्ञान को पहुँचाने में बहुत उपयोगी सिद्ध हुई है। हमें गुणवान एवं संस्कारवान पीढ़ी के निर्माण के लिए राष्ट्र की सेवा के भाव से इस परीक्षा का व्यापक स्तर पर विस्तार करना चाहिए।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री रामयश तिवारी ने कोरोना काल के बाद संभली हुई परिस्थितियों में इस वर्ष फिर से पूरे देश में परीक्षा के आयोजन की जानकारी दी। श्री चक्रधर थपलियाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल परीक्षा कराना नहीं है, बल्कि विद्यालयों में युग निर्माणी गतिविधियों का संचालन एवं विस्तार करना भी है। श्री अतुल द्विवेदी ने विधि एवं लेखा संबंधी मार्गदर्शन किया।

प्रो. प्रमोद भटनागर ने बच्चों की मनःस्थिति पर पड़ने वाले परीक्षा के प्रभाव और उससे होने वाले सामाजिक बदलाव की संभावना पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी का समापन शान्तिकुञ्ज व्यवस्थापक श्री महेंद्र शर्मा जी के प्रेरक उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी का निर्माण परोक्ष रूप से राष्ट्र निर्माण का बहुत बड़ा कार्य है।

**कार्यशाला के प्रमुख निष्कर्ष :-**

- वर्ष 2022 में 40 लाख विद्यार्थी शामिल कराने तथा परम वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष-2026 तक एक करोड़ विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल कराने का संकल्प लिया गया।
- जिला समितियों के पुनरीक्षण-पुनर्गठन पर चर्चा हुई।
- जिन जिलों में अभी परीक्षा नहीं हो रही है, वहाँ प्रांतीय समिति तथा शान्तिकुञ्ज के सम्मिलित प्रयासों से समिति का गठन करने का आग्रह किया गया।
- सभी प्रांतीय संयोजकों से अपेक्षा की गई कि वे तत्काल अपने प्रान्त के शिक्षा विभाग से विद्यालयों में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित किए जाने सम्बन्धी आदेश निर्गत कराएँ।
- विद्यालय प्राचार्य/प्रधानाचार्यों से अनुमति लेकर उनकी प्रार्थना सभाओं में नैतिक उद्बोधन आरंभ करने पर चर्चा हुई।
- राजस्थान प्रांत की तरह अन्य प्रांतों के सभी विद्यालयों को अखंड ज्योति पत्रिका का सदस्य बनाने का आह्वान किया गया।
- विद्यालयों में संस्कृत मंडलों का गठन कर उनमें विविध रचनात्मक गतिविधियाँ आरंभ करने पर चर्चा हुई।

श्रीमती शैलबाला पण्ड्या शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार स्वामी श्री वेदमाता गायत्री ट्रस्ट (टीएमडी) गायत्री नगर, श्रीरामपुरम, शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तथा उत्तर भारत लाइव, एच.सी.एल. कम्पाउण्ड, सहारनपुर रोड़, निरंजनपुर, देहरादून-248001 (उत्तराखंड) में मुद्रित। संपादक- प्रमोद शर्मा। पता :- शान्तिकुञ्ज, हरिद्वार (उत्तराखंड), पिन 249411. फोन-(01334) 260602

**सम्पर्क सूत्र : पंजीयन एवं पूछताछ**
**फोन :** 9258369725
**ईमेल :** pragyaabhiyan@awgp.in
**समाचार नीचे लिखे ई-मेल से भेजें-**
**email :** news@awgp.org

**Publication date: 12.5.2022**
**Place: Shantikunj, Haridwar**
**RNI-NO.38653/ 1980**
**Postel R.No. UA/DO/DDN/ 16 / 2021-23**
Licenced to Post Without Prepayment vide WPP No. 04/2021-23

# देव परिवार विस्तार गायत्री महायज्ञों के माध्यम से सत्प्रवृत्तियों का विस्तार

## हजारों वनवासियों ने व्यसन त्यागे

**सालीटांडा, बड़वानी। मध्य प्रदेश**
परम पूज्य गुरुदेव के प्रति अनन्य आस्था रखने वाले स्वर्गीय डेमनिया जी की कर्मभूमि सालीटांडा में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। 13 से 15 अप्रैल की तिथियों में संपन्न इस कार्यक्रम में दूर-दूर से आए हजारों वनवासियों ने भाग लिया और अपने जीवन की बुराइयों को छोड़ कर जीवन को श्रेष्ठता की ओर ले जाने के लिए नियमित गायत्री उपासना, साधना, स्वाध्याय करने के संकल्प लिये।

महायज्ञ संपन्न कराने शान्तिकुञ्ज से श्री दिनेश पटेल सालीटांडा पहुँचे थे। उन्होंने श्रद्धालु वनवासियों को मांसाहार, शराब, धूम्रपान जैसी कुरीतियाँ त्यागने के लिए अत्यंत हृदयस्पर्शी संदेश दिया, जिससे प्रभावित होकर सैकड़ों नए परिजनों ने युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के बताए मार्ग पर चलने का निश्चय किया। कार्यक्रम में 224 लोगों ने गुरुदीक्षा ली, 123 यज्ञोपवीत संस्कार हुए, एक विवाह तथा कुछ अन्य संस्कार भी हुए।

स्व. डेमनिया बाबा के प्रति अनन्य निष्ठा रखने वाले इंदौर निवासी श्री महेन्द्र मोहन भट्ट ने बताया कि लगभग 500 साधकों को योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया गया। यज्ञ आहुतियों के साथ क्षेत्र में अच्छी वर्षा और अच्छी फसल की पैदावार के लिए विशेष रूप से प्रार्थना की गई।

अच्छी वर्षा और अच्छी फसल की पैदावार के लिए प्रार्थना की गई।

सांसद द्वारा सामाजिक कार्यों को प्रोत्साहन

इस कार्यक्रम में सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने गायत्री परिवार द्वारा वनवासियों के कल्याण के लिए चलाई जा रही गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सालीटांडा में टीन शेड निर्माण हेतु दस लाख रुपए का अनुदान सांसद निधि से देने की घोषणा की। कार्यक्रम की भोजन व्यवस्था में भिलटदेव मंदिर संस्थान नागलवाड़ी का विशेष योगदान रहा।

सालीटांडा के यज्ञ में यज्ञोपवीत संस्कार कराते सैकड़ों वनवासी भाई-बहिन

## 24 वृक्षों की पौध लगाई, संरक्षण का संकल्प लिया

**जहानाबाद। बिहार**
मखदुमपुर प्रखंड के सागरपुर गाँव में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित हुआ। आकर्षक झाँकियों के संग कलश यात्रा में शामिल हुए लगभग 700 भाई-बहिनों ने गायत्री मंत्र एवं उत्साहवर्धक नारों से पूरे क्षेत्र को गायत्रीमय कर दिया। कार्यक्रम संपन्न कराने पहुँचे शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधि श्री संदीप जी ने लोगों से स्वयं को बदलने एवं समाज को सही दिशा देने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय कार्यकर्त्ताओं से उन्होंने कहा कि हम लोग नवनिर्माण के संदेशवाहक एवं अग्रदूत हैं। हमें अपने आचरण और व्यवहार से समाज का मार्गदर्शन करना चाहिए।

वृक्षारोपण करती युवाओं की टोली

यज्ञ के संयोजक श्री देवेंद्र कुमार एवं युवा प्रकोष्ठ के श्री रंगेश कुमार, बच्चन देव कुमार, शिव शंकर मिश्रा आदि ने अपने साप्ताहिक रविवासरीय वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्त सागरपुर के ही ठाकुरबाड़ी में 24 वृक्षों का रोपण किया। देवपूजन में शामिल कन्याओं ने पौधों का पूजन कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

## नारी सशक्तीकरण के प्रशंसनीय प्रयास : जन्मशताब्दी वर्ष की तैयारी

**कांकेर। छत्तीसगढ़**
दिनांक 6 से 9 अप्रैल तक अन्नपूर्णा पारा कांकेर में 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ, प्रज्ञा पुराण कथा एवं नारी सशक्तीकरण कार्यशाला संपन्न हुई। पहले दिन नगर में कलश यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। नगर के प्रमुख समाजसेवी संगठनों द्वारा जगह जगह पर पेयजल की व्यवस्था की गई।

प्रज्ञा पुराण कथा के भक्तिरस में डूबे नगरवासी

पूरे विधि-विधान के साथ सम्पन्न इस महायज्ञ में भाग लेकर नगरवासी अभिभूत हो गए। कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव एवं महामारी से दिवंगत व्यक्तियों की आत्मशांति हेतु महामृत्युंजय मंत्र से आहुतियाँ दी गईं। नगर, ग्राम, देश एवं समूचे विश्व में पर्यावरण संरक्षण एवं मानव मात्र के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई।

पावन प्रज्ञा पुराण कथा में गायत्री महाविद्या के तत्त्वदर्शन एवं परिवार निर्माण के ऋषिप्रणीत सूत्रों को बड़ी सुगम भाषा में लोगों तक पहुँचाया गया।

कार्यक्रम नारी जागरण प्रधान था। दूसरे और तीसरे दिन नारी सशक्तीकरण कार्यशाला हुई। कोण्डागांव, नारायणपुर एवं कांकेर जिले की 300 से अधिक बहिनों ने ने इसमें भाग लिया। मुख्य वक्ता श्रीमती आदर्श वर्मा, जोन समन्वयक रायपुर छत्तीसगढ़ ने 'नारी सशक्तीकरण वर्ष' एवं 2026 में परम वन्दनीया माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष की रूपरेखा स्पष्ट करने के साथ नारी सशक्तीकरण की आवश्यकता और कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। श्रीमती मंजू सेन रामटेके ने 'आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी' आन्दोलन की जानकारी दी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कांकेर की प्रतिनिधि सुश्री रामा दीदी ने भी नारी समस्या के समाधान की चर्चा की।

संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की छात्रा कु. प्रज्ञा यादव द्वारा प्रस्तुत मातृ वंदना के संग कत्थक शैली नृत्य ने श्रोताओं को आकर्षित किया। कार्यक्रम में 28 दीक्षा तथा अनेक पुंसवन, विद्यारम्भ संस्कार हुए।

## मृतकभोज नहीं, समाज के विकास में सहयोग

**जालोर। राजस्थान** : निकटवर्ती केशवना में ठेकेदार पूराराम मेघवाल को पितृ शोक हुआ। संवाददाता श्री टीकमाराम भाटी ने बताया कि इस अवसर पर उन्होंने अपने सामाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने स्वर्गीय पिताजी की स्मृति में मृतक भोज के स्थान पर मेघवाल महासभा संस्था जालोर को समाज के शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए सवा लाख रुपये की राशि भेंट की। सभी ने उनकी सराहनी पहल का स्वागत किया, आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 13 परगना माण्डवला व आस पास गांवों के पंच पटेल उपस्थित रहे।

सहयोग राशि प्रदान करते परिवारी जन

## फलदार पौधे बाँटकर दी बेटे को श्रद्धाञ्जलि

**बैतूल। मध्य प्रदेश**
बैतूल जिले में गायत्री परिवार ने दिवंगत आत्माओं की श्रद्धाञ्जलि स्वरूप आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में पौधे वितरण की पुण्य परम्परा चला रखी है। इसी क्रम में श्री सहजीत वर्मा के पुत्र विशाल वर्मा के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वर्मा परिवार एवं क्रिएटिव ग्रुप गायत्री परिवार द्वारा 100 आम के पौधों का वितरण किया गया। श्रद्धाञ्जलि देने पहुँचे परिजनों को ये पौधे दिए गए।

जिला पर्यावरण प्रभारी अमोल पानकर ने बताया कि यह योजना उप जोन प्रभारी श्री दीपचंद मालवीय एवं जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा के नेतृत्व में संपूर्ण जिले में चलाई जा रही है। योजना बहुत लोकप्रिय है। इससे परिवार में यह भाव भी जीवित रहता है कि हमारा परिजन इन पौधों में साँस ले रहा है।

## अश्लीलता निवारण का संकल्प लिया

**छूही, धमतरी। छत्तीसगढ़**
रामनवमी के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में 40 दिवसीय साधना अनुष्ठान करने वाले साधकों ने अपने अनुष्ठान की पूर्णाहुति की। सभी ने अपने जीवन की बुराइयाँ त्यागने के संकल्प लिए। इस क्रम में छूही इकाई के 20 गाँवों के गायत्री परिवार के परिजनों ने अश्लीलता निवारण का संकल्प भी लिया।

जिला समन्वयक दिलीप नाग ने अश्लीलता को समाज के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बनाया। उन्होंने कहा कि कुत्सित और विकृत, नकारात्मक मानसिकता आज महिलाओं पर हो रहे अत्याचार का सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने बताया कि नवरात्र में धमतरी जिले के 564 साधक भाई-बहिनों द्वारा लगभग सात करोड़ गायत्री मंत्र का जप किया गया। श्री दिलीप नाग श्री उगेश बंसोर ने सभी को आपसी प्रेम, भाई चारे के साथ मिलकर गुरुकार्य करने का संकल्प दिलाया।

# सद्ग्रंथ स्थापना प्रधान कार्यक्रम

## 100 घरों में सद्ग्रंथ स्थापना-देवस्थापना

**चिल्हाटी, बिलासपुर। छ.ग.**
गायत्री प्रज्ञापीठ चिल्हाटी के संपर्क ग्राम खपरी में 12 से 15अप्रैल 2022 की तिथियों में 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ अत्यन्त उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। स्थानीय कार्यकर्त्ताओं ने यज्ञ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भीषण गर्मी में भी अथक परिश्रम किया। ग्राम खपरी, ठाकुरदेवा, ओखर, मानिकचौरी, पचपेड़ी के एक सौ घरों में सूक्ष्म यज्ञ के माध्यम से मिशन और उसकी गतिविधियों का परिचय कराते हुए देवस्थापनाएँ कराई गईं। महायज्ञ में इन परिवारों ने बड़ी श्रद्धा और सक्रियता के साथ भाग लिया। सभी घरों में सद्ग्रंथ स्थापना कराए जाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम सम्पन्न कराने सर्वश्री रमेश चन्द्र, बालक राम, महादेव जी एवं श्रवण कुमार की टोली पहुँची थी। आयोजन को सफल बनाने में ग्राम पंचायत खपरी की सरपंच श्रीमती प्यारी बाई पटेल, हीरा राम पटेल, देव संस्कृति विद्यालय, चिल्हाटी के प्राचार्य उदल राम पटेल एवं उनकी टीम, गायत्री प्रज्ञापीठ चिल्हाटी के अध्यक्ष, प्रोसेसर डी.आर.साहू आदि का प्रमुख योगदान था।

चिल्हाटी के 24 कुण्डीय यज्ञ में युग संदेश देती टोली

## सद्ग्रंथ शोभायात्रा निकाली

**सारण। बिहार** : सारण जिले में दाउदपुर बाजार के गायत्री मंदिर परिसर में 23 से 30 मार्च तक आयोजित नौ कुंडीय यज्ञ एवं कथा का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 10 किलोमीटर की दूरी तक के गाँवों के लोग पहुँचे थे। श्री राम तपस्या यादव की टोली ने कार्यक्रम संपन्न कराया।

प्रथम दिन कलश यात्रा में 251 कलशों के अलावा 111 बच्चों ने मस्तक पर अखंड ज्योति के सेट धारण किए थे। 5 दिनों तक यज्ञ के साथ बड़ी संख्या में संस्कार कराए गए। 51 जोड़ों का विवाह संस्कार पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। उनके अलावा 351 संस्कार हुए, जिनमें 10 बहिनों के पुंसवन संस्कार हुए। अधिकांश संस्कार स्कूल के बच्चों के दीक्षा, यज्ञोपवीत आदि थे। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती रामावती देवी वरनवाल और श्री विक्रमा वरनवाल ने किया।

## विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण

**राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़** : शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी गायत्री विद्यापीठ में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह परीक्षण उदयाचल धर्मार्थ संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में किया गया, जिसमें बच्चों के नेत्र, दंत, ऊँचाई आदि स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण परीक्षण किए गए। प्राचार्य श्रीमती वत्सला अय्यर के अनुसार जिन बच्चों में स्वास्थ्य को लेकर कुछ कमियां पाई गई उन्हें उचित उपचार हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

**अगर मैं स्त्री का जन्म पाऊँ तो पुरुष की इस झूठी धारणा के खिलाफ बगावत कर दूँ कि स्त्री उसका खिलौना बनने के लिए पैदा हुई है। - महात्मा गाँधी**

# गायत्री महायज्ञों के प्रभाव से साधना और संस्कारों के प्रति बढ़ रहा है आकर्षण

**जैतहरी, अनूपपुर। मध्य प्रदेश**

1 से 4 अप्रैल 2022 की तिथियों में जैतहरी में संपन्न 108 कुंडीय महायज्ञ ने पूरे नगर को गायत्रीमय कर दिया। नगर के 4 स्थानों से चार कलश यात्राएँ निकाली गईं। युगशक्ति गायत्री के इस दिव्य प्रवाह की अगुवानी करने नगर पालिका परिषद जैतहरी की अध्यक्ष श्रीमती नवरत्न शुक्ला पहुँची थीं। इस कलश यात्रा में लगभग 1000 बहिनें और उतने ही भाई सम्मिलित हुए थे।

शान्तिकुञ्ज से पहुँची श्री नमो नारायण पांडेय जी की टोली ने अपने युग संदेश में वर्तमान समय में गायत्री यज्ञ और गायत्री उपासना के प्रभावों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सद्बुद्धि ही सामाजिक प्रगति और उसमें आ रहे तमाम अवरोधों को समाप्त करने का एकमात्र उपाय है। गायत्री उपासना से विवेक जाग्रत् होता है तथा उदारता, सहिष्णुता, सेवा, परमार्थ परायणता जैसे सद्गुणों का विकास होता है।

पूरे कार्यक्रम का समाज पर अत्यंत सकारात्मक प्रभाव पड़ा। हिंदू नववर्ष के दिन 600 दंपतियों ने विश्व कल्याण की कामना के साथ यज्ञ आहुतियाँ समर्पित कीं। संस्कारों की दृष्टि से भी शानदार सफलता मिली। 124 गुरुदीक्षा, 55 यज्ञोपवीत, 20 मुंडन, 112 विद्यारंभ और एक विवाह संस्कार सहित कई अन्य संस्कार भी हुए।

कार्यकर्ता गोष्ठी में डिंडोरी, शहडोल, उमरिया एवं बिलासपुर से आए परिजनों ने अपने प्रगति विवरण प्रस्तुत किए। खंडवा से आई कन्या कौशल शिविर संचालक कन्याओं का नारी जागरण संदेश क्रांतिकारी था। 3 अप्रैल की सायंकाल 10,000 दीपों के सान्निध्य में हुए दीपयज्ञ ने हजारों श्रद्धालुओं के हृदय में अमिट छाप छोड़ी।

यज्ञ स्थल पर वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी और साहित्य स्टॉल लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहे। पेंटर अलफ्रेड परेरा और अब्दुल अजीज ने यज्ञ में शानदार सहयोग कर सामाजिक सद्भाव का आदर्श प्रस्तुत किया।

शुजालपुर के मंच पर शान्तिकुञ्ज प्रतिनिधियों के संग कर्मठ युवा युगसृजेता और यज्ञ में भाग लेने उमड़ी जनमेदिनी

**जैतहरी, अनूपपुर (मध्य प्रदेश)**
124 दीक्षा एवं 55 यज्ञोपवीत संस्कार हुए।
**शुजालपुर, शाजापुर (मध्य प्रदेश)**
45 जोड़ों का आदर्श विवाह हुआ। रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर लगाए गए।

**शुजालपुर, शाजापुर। मध्य प्रदेश**

दिनांक 17 से 20 अप्रैल की तिथियों में शुजालपुर में 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। जिला समन्वयक श्री महेश कुमार केवट के अनुसार सामाजिक समरसता के भाव के साथ आयोजित 45 जोड़ों का सामूहिक विवाह संस्कार कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था। शान्तिकुञ्ज से कार्यक्रम संपन्न कराने श्री अरुण खंडागले की टोली पहुँची थी। मध्य प्रदेश शासन के राज्य स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने यज्ञ में उपस्थित होकर गायत्री परिवार द्वारा चलाए जा रहे सत्कार्यों का अभिनंदन किया। आयोजन स्थल पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर एवं नेत्र जाँच शिविर भी लगाए गए।

**बिलावली, देवास। मध्य प्रदेश**

देवास में बिलावली के समीप दिनांक 11 से 14 अप्रैल तक की तिथियों में 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। इसकी भव्य कलश यात्रा बिलावली के शिव मंदिर से आरम्भ हुई और पूरे उल्लास के साथ श्रद्धालुओं को नवयुग की अगुवानी करने का आमंत्रण देते हुए यज्ञस्थल तक पहुँची।

शान्तिकुञ्ज से आई टोली के नायक श्री अरुण खण्डागले ने वहाँ कलश यात्रा का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई पीढ़ी के पाश्चात्य संस्कृति के प्रति बढ़ते रुझान पर चिन्ता व्यक्त करते हुए उनमें अध्यात्म के प्रति अभिरुचि पैदा करने के लिए दीक्षा संस्कार कराने, उनका ध्यान अध्यात्म के प्रति आकर्षित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तीन वस्तु दुर्लभ हैं- मानव तन, अध्यात्म के प्रति रुचि और गुरुकृपा। धन्य है वे लोग जिन्हें ये तीनों प्राप्त हैं। यह महायज्ञ इन तीनों विभूतियों को प्राप्त करने का सुन्दर अवसर है।

कलश यात्रा में प्रमोद निहाले, मनीष महाजन, डॉ. रूपसिंह सोलंकी रामनिवास कुशवाह, महेश आचार्य, चन्द्रिका शर्मा आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

**शेखपुरा। बिहार**

12 से 14 अप्रैल 2022 की तिथियों में शेखपुरा में विशाल 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम ने नारी सशक्तीकरण का प्रभावशाली संदेश दिया। आओ 'गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी' अभियान के अंतर्गत बेटे-बेटी में भेद मिटाने, बालिकाओं को शिक्षित करने, बच्चों को नशे से दूर रखने, घर और समाज में स्वच्छता रखने तथा पुंसवन संस्कारों के माध्यम से गर्भवती बहिनों को श्रेष्ठ-संस्कारवान संतान के निर्माण के प्रति जागरूक करने का प्रभावशाली संदेश इस कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया।

यज्ञ में लगभग 200 लोगों ने दीक्षा ली। जमींदारी प्रथा से जुड़े कुछ भावनाशीलों ने लोक कल्याण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। माँ गायत्री की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई।

इस कार्यक्रम को सम्पन्न कराने वाराणसी से श्रीमती अर्चना मिश्रा, उनके पति श्री नरेंद्र मिश्रा और पुत्र सक्षम की टोली पहुँची थी।

प्रथम दिवस 551 कलशधारी बहिनों ने विचार क्रांति के उद्घोष के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। पूर्णाहुति की पूर्व संध्या में 5100 प्रज्वलित दीपकों के साथ दीपयज्ञ हुआ। निमी ग्राम के सर्वश्री विजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र कुमार सिंह, भोला सिंह, लालजी, जयनंदन, श्रीमती किरण, विनीता, एलिजा प्रमुख रूप से सक्रिय रहे।

बिलावली, देवास की मनमोहक कलश यात्रा एवं शेखपुरा में दीपयज्ञ के अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु

## नववर्ष के स्वागत में सरोवर तट पर मनमोहक दीपयज्ञ

**कटघोरा, कोरबा। छत्तीसगढ़**

हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या (1 अप्रैल) पर राधा सागर तालाब, कटघोरा में गायत्री परिवार, संस्कार भारती, लॉयन्स क्लब, आर्ट ऑफ लिविंग एवं अग्रवाल समाज कटघोरा के संयुक्त प्रयासों से अत्यंत मनमोहक दीपयज्ञ हुआ। 52 एकड़ में फैले विशाल सरोवर के चारों ओर लगभग 3000 लोगों ने 12000 दीप जलाए। दीपयज्ञ के समय सांस्कृतिक-सामाजिक उत्थान के लिए संघबद्ध होकर रचनात्मक गतिविधियाँ चलाने की प्रेरणाएँ दी गईं। विश्व शान्ति एवं जन कल्याण के लिए गायत्री महामंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियाँ प्रदान की गईं।

गायत्री परिवार की बहिनों ने दीपयज्ञ का संचालन किया। उन्होंने हर ग्रामवासी को गृहे- गृहे यज्ञ अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यज्ञ, दीपयज्ञ के साथ सूक्ष्म यज्ञ और बलिवैश्वदेव यज्ञ जैसी यज्ञ की सहज अपनाई जा सकने वाली विधाएँ भी बताई गईं।

## बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मंदिर परिसर में यज्ञ

### 10 छात्रावासों के विद्यार्थियों ने समझा यज्ञीय जीवन दर्शन

यज्ञस्थल पर लगाए गए साहित्य स्टॉल पर विद्यार्थियों की हलचल और यज्ञ में भाग लेते विद्यार्थी

**वाराणसी। उत्तर प्रदेश** : 17 अप्रैल के दिन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के गुल्लावीर बाबा मंदिर में नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें 10 छात्रावासों से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और गायत्री परिवार के समर्पित कार्यकर्त्ता प्रोफेसर अनिल अग्रवाल ने युगऋषि का संदेश दिया। उन्होंने गायत्री और यज्ञ का दर्शन समझाते हुए कहा कि जो युवावस्था में ही जीवन का सही लक्ष्य समझकर आत्मिक उत्थान के लिए सक्रिय हो जाते हैं, वे निश्चय ही सौभाग्यशाली हैं। उनके उद्बोधन के समय युवाओं की एकाग्रता एवं तन्मयता देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे यह विद्यार्थियों की नहीं, सिद्धों-संतों का समागम हो।

कार्यक्रम गायत्री शक्तिपीठ लंका के निर्देशन में संपन्न हुआ। मुख्य प्रबंध ट्रस्टी डॉ. रोहित गुप्ता तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी दक्षिण के धर्म जागरण प्रमुख श्री दिवाकर राय की उपस्थिति प्रभावशाली और प्रेरणादायी थी। अपनी संस्कार परंपरा का आदर्श प्रस्तुत करते हुए वाराणसी में गायत्री परिवार के आधार स्तंभ श्री श्याम धर पांडे का विवाह दिवस मनाया गया। शक्तिपीठ लंका से जुड़े बहिनों और युवाओं ने कार्यक्रम की व्यवस्था बनाई एवं संचालन किया।

## सामाजिक संवेदनाओं को उकेरते हनुमान जयन्ती उत्सव

### राष्ट्र की रक्षा के लिए सामूहिक सुन्दर काण्ड पाठ

**उज्जैन। मध्य प्रदेश** : गायत्री परिवार उज्जैन द्वारा 16 अप्रैल 2022 के दिन हनुमान प्रकटोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर 51 संकल्पित साधकों ने राष्ट्र रक्षा अनुष्ठान के अंतर्गत सुंदर काण्ड का पाठ किया। उपजोन समन्वयक श्री राजेश पटेल ने कहा कि हमारे अनुष्ठान से देश की सीमाओं पर डटे सैनिकों तथा आंतरिक सुरक्षा में जुटे सिपाहियों का मनोबल बढ़े, देशवासियों में राष्ट्रीयता की भावना प्रगाढ़ हो, यह प्रार्थना बजरंगबली से की गई। कार्यक्रम की पूर्णाहुति दीपयज्ञ के साथ हुई।

गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन में राष्ट्र-रक्षार्थ भाव के साथ सुन्दर काण्ड का पाठ करते परिजन

### हनुमान की भक्ति की रोचक कथाएँ सुनाईं

**राजनांदगाँव। छत्तीसगढ़**

शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी गायत्री विद्यापीठ, राजनांदगाँव में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इस समारोह में कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थी बड़ी तन्मयता और भक्तिभावना के साथ सम्मिलित हुए। शिक्षा समिति के सचिव श्री हरीश गाँधी, प्राचार्य श्रीमती वत्सला अय्यर, श्रीमती रूपाली गाँधी ने हनुमान जी शक्ति और भक्ति की रोचक गाथाएँ सुनाईं। उन्हें अपने जीवन का आदर्श बनाने और हनुमान चालीसा का पाठ कर उनके गुणों का नित्य स्मरण करने की प्रेरणा दी। संगीत शिक्षक देव साहू ने हनुमान जी की भक्ति पर आधारित सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, ट्रस्टी सूर्यकांत चितलांग्या एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, आचार्य श्रीमती ओमवती सिंह उपस्थित थे।

हनुमान का वेश धारण किए विद्यापीठ के नौनिहाल